mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-134 | पृष्ठ-8 | मूल्य-3 रूपये

रीवा

17 मई 2025 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

डायमंड लीग के दोहा...

@ पेज 7

दिल्ली के प्रमुख सचिव सहित कई शीर्ष अधिकारियों का ट्रांसफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को दिल्ली के कई बड़े अधिकारियों का तबादला कर दिया है। यह तबादला एजीएमयूटी कैडर में बड़े पैमाने पर किए गए फेरबदल के तहत हुआ है। इन अधिकारियों को दूसरे राज्यों

● एजीएमयूटी कैडर में बड़े पैमाने पर फेरबदल

और केंद्र शासित प्रदेशों में स्थानांतरित कर दिया गया है। इनमें दो अतिरिक्त मुख्य सचिव और एक प्रमुख सचिव शामिल हैं।
अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश (एजीएमयूटी) कैडर के 1994 बैच के आईएएस अधिकारी आशीष चंद्र वर्मा को जम्मू और कश्मीर भेज दिया गया है। वह दिल्ली सरकार के वित्त और राजस्व विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत थे। वहीं, पर्यावरण और वन के अतिरिक्त मुख्य सचिव और 1995 बैच के अधिकारी अनिल कुमार सिंह को भी जम्मू और कश्मीर भेज दिया गया है, जबकि सतर्कता विभाग के प्रमुख सचिव और 1999 बैच के अधिकारी सुधीर कुमार का मिजोरम ट्रांसफर कर दिया गया है।
गृह के विशेष सचिव केएम उप्पू, 2009 बैच के अधिकारी और परिवहन के विशेष सचिव, 2008 बैच के अधिकारी को क्रमशः पुडुचेरी और अंडमान और निकोबार भेजा गया है। इस बीच, कश्मीर में संभागीय आयुक्त के रूप में सेवा देने वाले 2005 बैच के अधिकारी विजय कुमार बिधूड़ी को दिल्ली ट्रांसफर कर दिया गया, जबकि 2000 बैच की अधिकारी दिलराज कौर अंडमान और निकोबार से ट्रांसफर होने के बाद दिल्ली लौट आएंगी। उन्होंने पहले यहां विभिन्न पदों पर काम किया था।
दिल्ली से ट्रांसफर किए गए एजीएमयूटी कैडर के अन्य आईएएस अधिकारियों में 2008 बैच के अधिकारी चंचल यादव, विनोद कावले और 2012 बैच के अधिकारी नवीन एस एल शामिल हैं। 2012 बैच के अधिकारी अरुण कुमार मिश्रा को गोवा से दिल्ली बुलाया गया है। विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से दिल्ली स्थानांतरित किए गए एजीएमयूटी कैडर के अन्य आईएएस अधिकारियों में 2012 बैच के अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह और ए नेदुनचेझियान, 2009 बैच के अधिकारी रमेश वर्मा और 2004 बैच के अधिकारी पांडुरंग के पोल शामिल हैं। गृह मंत्रालय ने एजीएमयूटी कैडर के 40 आईएएस और 26 आईपीएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया है।
एजीएमयूटी कैडर फेरबदल के तहत देश के केंद्र शासित प्रदेशों के आईएएस और आईपीएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया जाता है। इस दौरान अधिकारियों के कार्यभार या पोस्टिंग में बदलाव किया जाता है। इसमें आईएएस, आईपीएस, डीएएनआईसीएस, डीएएनआईपीएस के अधिकारी शामिल होते हैं। यह फेरबदल सरकार में एक आम बात है, और एजीयूटी कैडर के मामले में इसे गृह मंत्रालय द्वारा किया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

ईरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रमों से टेंशन में अमेरिका

अबू धाबी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि ईरान के तेजी से आगे बढ़ते परमाणु कार्यक्रम के मद्देनज़र अमेरिका ने तेहरान को औपचारिक प्रस्ताव सौंपा है। यह बयान ट्रंप ने अपनी संयुक्त अरब अमीरात यात्रा के समापन पर 'एयर फोर्स वन' विमान में पत्रकारों से बातचीत में दिया। यह पहली बार है जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि वेस्ट एशिया के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची के बीच कई

दौर की वार्ता के बाद एक प्रस्ताव ईरान को पेश किया गया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत अब ÷विशेषज्ञ स्तर÷ पर पहुंच गई है। इसका अर्थ है कि दोनों पक्ष यह जांचने की कोशिश कर रहे हैं कि वे संभावित समझौते के ठोस बिंदुओं पर सहमति बना सकते हैं या नहीं। ट्रंप ने अपने बयान में चेतावनी के स्वर में कहा- ÷उनके सामने एक प्रस्ताव है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्हें पता है कि उन्हें जल्दी से आगे बढ़ना होगा, नहीं तो कुछ बुरा हो सकता है।÷ हालांकि ट्रंप ने प्रस्ताव की विस्तृत जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया। अब तक ईरान की ओर से इस प्रस्ताव पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। श्, ट्रंप की तीन देशों - सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात - की पश्चिम एशिया यात्रा का अंतिम चरण था। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रीय नेताओं से मुलाकात की और प्रमुख सुरक्षा व कूटनीतिक मुद्दों पर चर्चा की, जिनमें ईरान का परमाणु कार्यक्रम, गाजा संघर्ष, और रूस-यूक्रेन युद्ध भी शामिल हैं।

ब्रेन-डेड प्रेग्नेंट महिला को 3 महीने तक वेंटिलेटर पर रखा

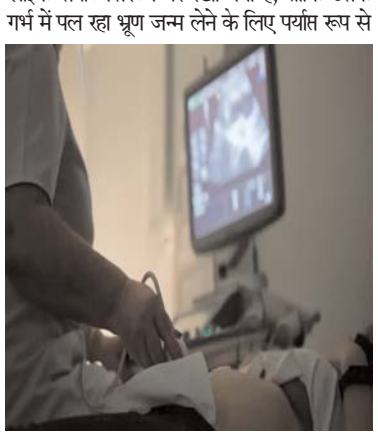

अटलांटा (अमेरिका) (एजेंसी)। 'ब्रेन-डेड' घोषित कर दी गई एक प्रेग्नेंट महिला को 3 महीने तक लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर रखा गया है, ताकि उसके गर्भ में पल रहा भ्रूण जन्म लेने के लिए पर्याप्त रूप से

विकसित हो सके। महिला के परिवार का कहना है कि अस्पताल ने उन्हें बताया कि राज्य के सख्त गर्भपात विरोधी कानून के तहत ऐसा करना आवश्यक है। महिला की डिलीवरी की नियत तारीख में अभी 3 महीने हैं और यह इस तरह के मामलों में सबसे लंबी प्रेग्नेंसी में से एक हो सकती है। उसका परिवार इस बात से परेशान है कि जॉर्जिया का कानून जो हृदय संबंधी गतिविधि का पता चलने पर गर्भपात को बैन करता है, रिश्तेदारों को इस बारे में पक्ष रखने की अनुमति नहीं देता है कि प्रेग्नेंट महिला को वेंटिलेटर पर रखा जाए या नहीं। एड्रियाना स्मिथ को फरवरी में मस्तिष्कीय रूप से मृत घोषित कर दिया गया था, यानी कानूनन वह मर चुकी है। यह जानकारी एड्रियाना की मां एप्रिल न्यूकिर्क ने अटलांटा टीवी स्टेशन डब्ल्यूएक्सआईए को दी। 30 वर्षीय एड्रियाना पांच साल के बेटे की मां और पेशे से नर्स थी। न्यूकिर्क ने बताया कि उनकी बेटी को तीन महीने से ज्यादा समय पहले तेज सिरदर्द हुआ था और जांच के बाद एमोरी यूनिवर्सिटी अस्पताल ने पाया कि उसके मस्तिष्क में खून के थक्के थे और उसे 'ब्रेन-डेड' घोषित कर दिया गया। एड्रियाना की श्वास नलिका और अन्य जीवन रक्षक उपकरणों को हटाने से उसके गर्भ में पल रहे भ्रूण की मृत्यु हो सकती है।

दिल्ली में अचानक बदला मौसम, बारिश ने गर्मी से दिलाई राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली एनसीआर में शुक्रवार शाम अचानक मौसम बदल गया। यहां धूल भरी आंधी बारिश के चलते लोगों को गर्मी से राहत मिली। मई के महीने में भीषण गर्मी के चलते दिल्ली एनसीआर के सभी इलाकों में पारा 40 डिग्री के ऊपर था, लेकिन बेमौसम बारिश ने लोगों को भीषण गर्मी और लू से राहत दिलाई। मौसम विभाग ने पहले ही शुक्रवार के दिन दिल्ली बारिश होने की संभावना जताई थी। बारिश से दिल्ली की हवा का स्तर भी बेहतर हुआ, जो शुक्रवार सुबह खराब स्तर पर था।केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार सुबह नौ बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 297 दर्ज किया गया जो 'खराब' श्रेणी में आता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस मापा गया जो इस मौसम के औसत से 0.3 डिग्री सेल्सियस कम है। दिल्ली एनसीआर में आने वाले दिनों में भी बादल छाए रह सकते हैं। कुछ इलाकों में छुटपुट बारिश हो सकती है, लेकिन गर्मी से निजात मिलने के कोई आसार नहीं हैं। रविवार (18 मई) तक अधिकतर तापमान 42 डिग्री तक रहेगा। इसके बाद इसमें मामूली गिरावट आने की उम्मीद है। 25 मई तक अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है।

पुराने सारे रिकॉर्ड टूटे, देखें पिछले चार साल के आंकड़े

दिल्ली में भीषण गर्मी के बीच बढ़ रही बिजली की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में भारी गर्मी के बीच बिजली की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। बिजली कंपनियों के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में बिजली की मांग इस मौसम में सबसे अधिक रही है। शुक्रवार को यहां बिजली की मांग 6867 मेगावाट रही, जो 16 मई तक दिल्ली में चार साल में सबसे अधिक है। शुक्रवार को बीआरपीएल ने 3004 मेगावाट और बीवाईपीएल ने 1479 मेगावाट की अधिकतम बिजली मांग को सफलतापूर्वक पूरा किया।
दिल्ली सरकार ने बिजली की आपूर्ति के लिए कई अहम जगहों पर सोलर पैनल भी लगाए थे। सरकार के प्रयासों के चलते 2100 मेगावाट से ज्यादा बिजली की आपूर्ति ग्रीन इलेक्ट्रिसिटी के जरिए पूरी की जाएगी। यह ऊर्जा %गर्मी के महीनों में दिल्ली को सशक्त बनाने और उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने% में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।
इस साल बीएसईएस डिस्कॉम ने कई अनूठी पहल करके अपने नेटवर्क को मजबूत किया है। इसमें संभावित %हॉट-स्पॉट% की पहचान

करना और समस्या के समाधान में मदद करने के लिए थर्मो स्कैनिंग जैसी व्यापक पूर्वानुमान/रोकथाम जांच शामिल हैं। एसएलडीसी के अनुसार, दिल्ली में शुक्रवार दोपहर 3ः17 बजे बिजली की मांग 6867 मेगावाट रही, जो 16 मई तक की सबसे अधिक है। गुरुवार दिल्ली में अधिकतम बिजली की मांग 6474 मेगावाट थी।

सरोजिनी नगर में पेड़ से लटका मिला क्लर्क का शव

दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सरोजिनी नगर इलाके में टैक्सी स्टैंड के पास मानसिक रूप से बीमार

व्यक्ति का शव पेड़ से लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान उत्तराखंड निवासी 46 वर्षीय रवींद्र मेहता के रूप में हुई है। पुलिस को बुधवार को तिकोना पार्क हृछ्ठस्ष्ट (नई दिल्ली नगरपालिका परिषद) टैक्सी स्टैंड पर पेड़ से एक व्यक्ति के लटके होने की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची और मेहता को पेड़ से रस्सी से लटका हुआ पाया। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी और व्यक्ति को सफदरजंग अस्पताल भेज दिया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि रवींद्र मेहता अपने पैतृक गांव के ग्राम पंचायत कार्यालय में अपर डिवीजन क्लर्क के पद पर कार्यरत था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मेहता मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए इलाज करा रहा था और एक दिन पहले ही अपनी पत्नी के साथ दिल्ली आया था।

पूर्व सैनिकों को दी जाने वाली पेंशन में 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी

हिमाचल प्रदेश सरकार का फैसला

मुंबई (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश सरकार ने सैनिक कल्याण विभाग के माध्यम से पूर्व सैनिकों और 'वीर नारियों' को दी जाने वाली पेंशन में 40 प्रतिशत की एकमुश्त वृद्धि की है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि पूर्व सैनिकों और वीर नारियों को अब 3,000 रुपये के बजाय 5,000 रुपये की मासिक पेंशन मिलेगी।
उन्होंने कहा कि साल 1987 से पहले स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने वाले पूर्व सैनिकों और उनकी विधवाओं को दी जाने वाली पेंशन में 2,000 रुपये प्रति माह की बढ़ोतरी की गई है। सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर मदनशील शर्मा ने कहा कि जून महीने में वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल, मई और जून के लिए 15,000 रुपये की एकमुश्त राशि जारी की जाएगी। ब्रिगेडियर शर्मा ने कहा कि इस फैसले से राज्य के 246 पूर्व सैनिक और 261 वीर नारियां लाभान्वित होंगी। उन्होंने कहा कि इन पूर्व सैनिकों को भारत सरकार से कोई पेंशन नहीं मिलती है। ब्रिगेडियर शर्मा ने कहा कि पूर्व सैनिकों और वीर नारियों की पेंशन के लिए पहले 15,21,000 रुपये मासिक बजट आवंटित किया जाता था, जिसे अब बढ़ाकर 25,35,000 रुपये कर दिया गया है।

तबाही मचाने आए थे लेकिन खुद हो गए तबाह!

भारतीय एयर डिफेंस ने पाकिस्तान के 600 से ज्यादा ड्रोन मार गिराए

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में जब पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकाने तबाह हो गए तो बौखलाए पाकिस्तान ने भारतीय सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की। इस दौरान पाकिस्तान की ओर से बड़ी संख्या में ड्रोन के जरिए हमले किए गए। पाकिस्तान ने सोचा कि तुर्की के बने हुए ये ड्रोन भारत को तबाह कर देंगे। लेकिन उसकी ये गलतफहमी भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने दूर कर दी। पाकिस्तान के एक-एक ड्रोन को भारत की मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम ने तबाह कर दिया। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक भारतीय एयर डिफेंस और सेना के संयुक्त प्रयास से पाकिस्तान के 600 से ज्यादा ड्रोन मार गिराए गए।

सूत्रों के मुताबिक भारतीय सेना ने पाकिस्तान की ओर से किए गए हमलों को रोकने के लिए 1000 से ज़्यादा गन सिस्टम और 750 के लगभग शॉर्ट रेंज और मीडियम रेंज मिसाइल का इस्तेमाल किया गया। पाकिस्तान की ओर के हमले की आशंका के मद्देनजर पूरी तैयारी की गई थी। जॉइंट एयर

डिफेंस सेंटर तैयार किया गया जहां पर भारतीय वायु सेना और आर्मी ने मिलकर एक साथ ऑपरेशन को अंजाम दिया।

ड्रोन की तरह दिखने वाले डमी प्लेन को सेना ने बतौर एयर क्राफ़्ट तैयार किया। इस डमी एयरक्राफ्ट ने पाकिस्तान को धोखे में ला दिया। डमी एयरक्राफ्ट देखते ही पाकिस्तान को लगा कि भारत के विमान उसकी सीमा में घुस आए हैं। पाकिस्तान ने अपने एयर डिफेंस को एक्टिवेट कर दिया। इससे भारत को उसकी लोकेशन मालूम हो गई। फिर बाकी का काम ब्रह्मोस मिसाइल ने कर दिया। पाकिस्तान भारत की इस चालाकी को समझ नहीं पाया और आंखों के सामने अपने एयरबेस को तबाह होते देखता रहा।

भारत ने पाकिस्तान के 11 एयरबेस को तबाह कर दिया है। अब इस तबाही के सबूत भी वह खुद दे रहा है। जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान एयरफोर्स ने एयरबेस की मरम्मत के लिए टेंडर निकाले हैं। इससे भारतीय सेना का यह दावा सही साबित होता है कि उसकी मिसाइलों ने पाकिस्तान में बड़ी तबाही मचाई है और उनके एयरबेस को क्षतिग्रस्त कर दिया है।

शशि थरूर के चलते बढ़ा कांग्रेस आलाकमान का सिरदर्द

अब मोदी सरकार देना चाहती है ये बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से बात करके पाकिस्तान के खिलाफ दुनिया भर में भेजे जाने वाले सांसदों के प्रतिनिधिमंडल के लिए कांग्रेसी सांसदों के नाम मांगे गए हैं। लेकिन कांग्रेस का एक बड़ा तबका विदेश जाने वाले सांसदों के प्रतिनिधिमंडल से शशि थरूर को बाहर रखने की वकालत कर रहा है। बता दें कि सीमा पार आतंकवाद का दंश झेल रही भारत की सरकार अब अपने सांसदों के जरिए पूरी दुनिया को आतंकवाद पर अपने रुख से वाकिफ कराएगी। इस काम के लिए सरकार सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल भेजने की योजना बना रही है।
इस प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस भी शामिल होगी। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि वह निश्चित रूप से इसमें भाग लेगी।

हालांकि सरकार की ओर से इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। कांग्रेस की ओर से यह बताया गया कि केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस संबंध में कांग्रेस अध्यक्ष से बात की है।
वहीं, पार्टी सूत्रों के मुताबिक सरकार की तरफ से थरूर को भेजे जाने की पेशकश की गई है, जिस पर कांग्रेस की तरफ से फिलहाल साफ किया गया कि कांग्रेस के सदस्यों को चुनना उसका फैसला है, जिसे पार्टी नेतृत्व तय करेगा। हालांकि, पार्टी में चंद लोगों की ये राय हैं कि थरूर अंतरराष्ट्रीय मामलों के बड़े जानकार हैं, बड़ा चेहरा हैं और उन्होंने ह में भी काम किया है, इसके मद्देनजर उनको नहीं भेजने के फैसले से गलत संदेश जाएगा। ऐसे में जल्दी ही पार्टी नेतृत्व रणनीतिकारों के साथ चर्चा करके फैसला करेगा कि थरूर का नाम कांग्रेस सांसदों की लिस्ट में रहेगा या नहीं।
दरअसल, पार्टी आलाकमान और कई नेता हाल में शशि थरूर के मोदी सरकार के समर्थन में की गई लगातार बयानबाजी से नाखुश हैं। खासकर पाकिस्तान के साथ तनाव के समय भी उन्होंने पार्टी लाइन से अलग बयान दिया, जिस पर पार्टी के भीतर की काफी विवाद हुआ।
कांग्रेस ने कहा था कि पार्टी में सबको अपनी राय रखने की आजादी है, लेकिन लोकसभा सदस्य शशि थरूर ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव से जुड़े मुद्दे पर अपने हालिया बयानों से ''लक्ष्मण रेखा'' लांघ दी है। सूत्रों ने कहा था कि आलाकमान ने नेताओं को हिदायत दी है कि वे इस मुद्दे पर अपनी व्यक्तिगत राय व्यक्त करने के बजाय पार्टी का पक्ष रखें। कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में एक वरिष्ठ नेता ने थरूर का नाम लिए बगैर पार्टी लाइन से इतर बयान दिए जाने का विषय उठाया और कहा कि नेतृत्व को इसमें दखल देना चाहिए। खुद थरूर बैठक में मौजूद थे।

लकड़ी जलाकर चूल्हे पर चाय बनाते दिखे बाबा बागेश्वर

छतरपुर (एजेंसी)। बागेश्वर धाम के प्रमुख पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री उर्फ बाबा बागेश्वर का अलग अंदाज दिखा है। बाबा बागेश्वर का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वे ईंट जोड़कर चूल्हा बनाकर लड़के जलाकर चाय बनाते दिख रहे हैं। लड़की से चाय बनाने की वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि रसोई गैस से चाय बनाने पर गैस हो जाती है। यह कहकर पंडित धीरेन्द्र शास्त्री हंसने भी लगते हैं।
दरअसल, बाबा बागेश्वर जबलपुर यात्रा से लौट कर खजुराहो एयरपोर्ट के पास स्थित त्रिलोकर धाम पहुंचे। जहां उन्होंने हनुमान ज़ी महाराज के दर्शन उपरांत लकड़ी के चूल्हे के पास बैठ कर वो खुद चाय बनाने लगे। ज़ब मंदिर के पुजारी नें उन्हें गैस से बनी चाय का ऑफर दिया तो बोले रसोई गैस से बनी चाय से स्वाद नहीं रहता और गैस बनती है। अब उनका यह वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में साफ तौर पर देखा जा रहा है कि बाबा बागेश्वर मंदिर परिसर में जमीन पर बैठे हुए हैं। चाय बनाने के लिए उनके सहयोगी लकड़ियां ले आये और चूल्हा जला कर चाय बनाने लगे। पंडित धीरेन्द्र शास्त्री ईंट के चूल्हे पर एक बर्तन रखकर उसमें पानी डाल रहे हैं। बता दें कि बाबा बागेश्वर अपने बयानों से अक्सर चर्चा में रहते हैं।

रक्तदान सबसे बड़ा दान

विदिशा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जाकिर हुसैन के मार्गदर्शन में गत दिवस रक्तदान एवं विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन जिला न्यायालय परिसर में किया गया था। शिविर के विधिवत् शुभारंभ अवसर पर विशेष न्यायाधीश श्री जीसी शर्मा, अभिभाषक संघ के अध्यक्ष श्री पीडी यादव के अलावा न्यायाधीशगण व अभिभाषकगण और न्यायालयीन कर्मचारी मौजूद रहें। विधिक जागरूकता शिविर को सम्बोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री जाकिर हुसैन ने कहा कि रक्तदान करना सबसे पड़ा पुण्य कार्य है इससे बडा कोई दान नहीं है। रक्तदान करने से शारीरिक कई फायदे होते है उन्होंने सभी को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को अन्य न्यायाधीशगणो ने भी सम्बोधित किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री नितेन्द्र सिंह तोमर ने बताया कि रक्तदान एवं विधिक जागरूकता शिविर में आगंतुको को रक्तदान की महत्वता के साथ-साथ विधिक जागरूकता के संदेशो से अवगत कराया गया है।

आईटीआई चले अभियान, रोजगार की पढ़ाई चले आईटीआई

विदिशा। शासकीय आईटीआई विदिशा में सत्र 2025 हेतु प्रवेश पंजीयन प्रारंभ हो गए हैं। आवेदकों को करियर मार्गदर्शन, ट्रेड एवं पंजीयन की जानकारी एवं आवश्यक सहायता प्रदान करने हेतु संस्था में हेलपडेस्क की स्थापना की गई है। आज गुरुवार को संस्था के इंडस्ट्री पार्टनर - देवांशी इंडस्ट्रीज विदिशा के श्री देवेन्द्र किरार एवं श्री पुरुषोत्तम सिंह ठाकुर द्वारा संस्था में स्थापित हेल्पडेस्क का विजिट किया एवं उपस्थित आवेदकों को मार्गदर्शन एवं करियर संबंधी आवश्यक जानकारियां प्रदान की। संस्था की ओर से प्राचार्य श्री एपी श्रीवास्तव द्वारा आवेदकों को काउंसलिंग प्रक्रिया की जानकारी प्रदान की गई। आईटीआई में प्रवेश के इच्छुक आवेदक विभाग की वेबसाईट पर जाकर अथवा क्यू आर कोड स्कैन कर प्रवेश हेतु पंजीयन करा सकते हैं।

विदिशा के किसान से प्रारंभ की ड्रैगन फ्रूट की खेती

विदिशा। विदिशा जिले के नटेरन विकासखंड के ग्राम सिरसी के कृषक श्री विपुल श्रीवास्तव ने ड्रैगन फ्रूट की खेती करना प्रारंभ किया है। कृषक श्रीवास्तव ने बताया कि वह लगभग एक बीघा में 1700 पौधे लगाकर एक नवाचार कर रहे हैं। कृषक द्वारा ड्रैगन फ्रूट की सियाम रेड किस्म के पौधे हैदराबाद से लाए थे। कृषक श्री विपुल ने बताया कि पहले वह कृषि फसले गेहूं व धान की खेती करते थे अब वह उद्यानिकी विभाग से मार्गदर्शन लेकर ड्रैगन फ्रूट की खेती कर रहे हैं। उद्यानिकी विभाग के सहायक संचालक उद्यान श्री जी गिरवाल ने बताया कि ड्रैगन फ्रूट की खेती विदिशा जिले के लिए नवाचार है। ड्रैगन फ्रूट में एंटीऑक्सीडेंट की भरपूर मात्रा होती है और पाचन में यह सहायक होता है। इस फ्रूट में विटामिन सी, आयरन की मात्रा भी पाई जाती है। ड्रैगन फ्रूट में अल्प मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाता है। ड्रैगन फ्रूट 1 वर्ष के बाद से ही फल देना प्रारंभ कर देता है ड्रैगन फ्रूट लगभग 20 से 25 साल तक फल देता है यह 1 वर्ष के बाद लगभग 6 से 8 टन उत्पादन देता है।

एसडीईआरएफ ने पॉलीटेक्निक कॉलेज सिरोंज में आम नागरिकों को दिया नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण

विदिशा। देश की बाह्य एवं आंतरिक परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में सिरोंज के पॉलीटेक्निक कॉलेज सिरोंज में विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में एसडीईआरएफ (स्टेट डिजास्टर इमरजेंसी रिस्पॉन्स फोर्स) टीम द्वारा 125 आम नागरिकों को आपातकालीन परिस्थितियों में आमजन की सहायता करने के लिए आवश्यक तकनीकी व व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। जिला सेनानी श्री मयंक कुमार जैन एवं एएसआई श्री लक्ष्मीनारायण विश्वकर्मा और एसडीईआरएफ टीम ने आपदा मित्रो को सीएसएसआर , एमएफआर, आपदा प्रबंधन, आग, प्राथमिक उपचार, हवाई हमले के बाद बचाव एवं राहत कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण का उद्देश्य नागरिकों को विपरीत परिस्थितियों में जागरूक एवं सक्षम बनाना रहा, ताकि वे आवश्यकता पड़ने पर समाज की सेवा में योगदान दे सकें।

प्रावीण्य सूची में स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थी सम्मानित हुए

विदिशा। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षा 2025 की प्रदेश व जिला स्तरीय प्रावीण्य सूची में स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया है। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कलेक्टर श्री गुप्ता ने विद्यार्थियों का हौंसला अफजाई किया और जिले व परिवार का नाम रौशन करने पर उन सबको बधाई शुभकामनाएं अभिव्यक्त की है। सम्मान समारोह की शुरूआत में जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा परीक्षा परिणामो के पालन प्रतिवेदन का वाचन किया गया। गौरतलब हो कि हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षा में प्रदेश स्तरीय प्रावीण्य सूची में जिले के सात छात्रो द्वारा स्थान हासिल किया गया है वहीं जिला स्तरीय प्रावीण्य सूची में 25 छात्रो और उत्कृष्ट प्रदर्शन अर्थात शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाले गुरूजनो को भी कलेक्टर ने सम्मानित किया है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, मेरिट सूची में शामिल विद्यार्थियों के अभिभावक, शिक्षकगण और परिजन मौजूद रहे।

जिला स्तरीय निवेश संवर्धन एवं समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

विदिशा। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में जिला स्तरीय निवेश संवर्धन एवं समन्वय समिति, लघु उद्योग संवर्धन की बैठक कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित की गई थी।

उक्त बैठक में नवीन औद्योगिक क्षेत्र हेतु भूमि चिन्हित किये जाने,ओडीओपी इकाईयों, केमीकल इकाईयों, औद्योगिक क्षेत्रों के विकास एवं समस्याओं तथा जल गंगा संवर्धन अभियान औरआपदा प्रबंधन के संबंध में औद्योगिक इकाईयों की तैयारियों के संबंध में चर्चा कर निर्णय हेतु आहूत इस बैठक में जिले के औघोगिक यूनिट संचालक और समिति के सदस्यगण तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक श्री एके श्रीवास्तव ने विदिशा जिले की औद्योगिक परिदृश्य को रेखांकित करते हुए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्र की जानकारियां सांझा की। उन्होंने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र पीतल मील 12.14 हेक्टेयर क्षेत्रफल में है। कुल 86 भूखण्ड है और सभी के सभी भूखण्ड आवंटित किए गए है यहां कुल 78 इकाईयां स्थापित है। बिजली निवेश 23.35 करोड़ रूपए है। औद्योगिक क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार की संख्या 556 है। औद्योगिक क्षेत्र कंजना बासौदा का क्षेत्रफल 52.03 हेक्टेयर है जिसमें से 37.15 हेक्टेयर आवंटन योग्य भूमि भू-खण्ड में 190 शेड बनाए गए है जिसमें से 176 भूखण्डो एवं शेडो का आवंटन किया जा चुका है यहां कुल 59 इकाईयां स्थापित की जानी है जिसमें से कार्यरत इकाईयों की संख्या 54 है पूंजी निवेश 45.12 करोड और उपलब्ध रोजगार 355 है जबकि औद्योगिक क्षेत्र जम्बार बागरी का क्षेत्रफल 84.31 हेक्टेयर है आवंटन योग्य भूमि भू-खण्ड की संख्या 165 में से आवंटित भूखण्डो की संख्या 76 है। यहां कुल 31 इकाईयां स्थापित की जानी है जिसमें से 18 इकाईयां कार्यरत है।

उमंग 2025' समर कैंप में एसपी विदिशा ने बच्चों से की मुलाकात

विदिशा। विदिशा पुलिस एवं जिला खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'उमंग 2025' ग्रीष्मकालीन शिविर जिले में उत्साहपूर्वक जारी है। एक मई से 31 मई 2025 तक चलने वाले इस निरूशुल्क शिविर में बड़ी संख्या में बच्चों की भागीदारी हो रही है। अधीक्षक श्री रोहित काशवानी ने शिविर स्थलों का निरीक्षण कर समर कैंप में शामिल बच्चों से संवाद किया और शिविर के संचालन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बच्चों से उनकी पसंदीदा गतिविधियों, अनुभवों और सीख के बारे में जानकारी ली। एसपी श्री काशवानी ने 'ब्राइटर मन' कार्यक्रम के अंतर्गत भाग ले रहे बच्चों से भी विशेष रूप से चर्चा की, जिसमें बच्चों ने आत्मविश्वास के साथ साइबर सुरक्षा, व्यवहारिक ज्ञान और व्यक्तित्व विकास से जुड़ी जानकारी सांझा की। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि 'उमंग 2025' का उद्देश्य सिर्फ मनोरंजन नहीं बल्कि बच्चों को सुरक्षित, जागरूक और आत्मनिर्भर नागरिक बनाना है। उन्होंने शिविर संचालन में लगे अधिकारियों एवं प्रशिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल आने वाली पीढ़ी के लिए मजबूत नींव का कार्य करेगी।

अन्य वाहन जब्त जिला खनिज टास्क फोर्स समिति की बैठक

सीहोर। जिला स्तरीय खनिज टास्क फोर्स समिति की बैठक कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई । बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विभिन्न निर्माण विभागों को निर्देश दिए कि वे अपने निर्माण कार्यों में खनिज रॉयल्टी के रूप में प्राप्त राशि का प्रतिवेदन शीघ्र जिला खनिज अधिकारी को भेजें। उन्होंने कहा कि जिन व्यक्तियों पर खनिज विभाग की वसूली बकाया है उनसे वसूली की कार्रवाई की जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में गौण खनिज की 173 खदाने स्वीकृत है। इनमे रेत की 28, गिट्टी की 125, मुरम की 20 खदाने स्वीकृत है। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में वित्तीय वर्ष 2024-25 से वित्तीय वर्ष 2025-26 में अभी तक खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के कुल 389 प्रकरण दर्ज कर 02 करोड़ 43 लाख 80 हजार 597 रूपये अर्थदण्ड वसूला गया। इसी प्रकार खनिलों का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करने वाले 212 ट्रेक्टर ट्रॉली, 123 डम्पर, 26 पोकलेन मशील तथा 21 जेसीबी, सहित अन्य वाहन जप्त किये गय। बैठक में डीएफओ श्री मगन सिंह डाबर, जिला खनिज अधिकारी श्री धर्मेन्द्र चौहान सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भण्डारण के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए 374 प्रकरण दर्ज किये गये जिसमें 02 करोड़ 30 लाख 69 हजार 983 अधिरोपति अर्थदण्ड क विरूद्ध 02 करोड़ 30 लाख 09 हजार 77 रूपये अर्थदण्ड के रूप में वसूला गया। इसमें अवैध परिवहन के 290 प्रकरण दर्ज किए गए जिसमें एक करोड़ 58 लाख 91 हजार 691 रूपए का अर्थ दण्ड वसूल किया गया। इसी प्रकार अवैध उत्खनन के 53 प्रकरण दर्ज किये गये जिसमें 52 लाख 19 हजार 10 रूपये अर्थदण्ड की वसूली की गई। जिले में अवैध भण्डारण के 31 मामले दर्ज किये गये, जिसमें 18 लाख 98 हजार 376 रूपये अर्थदंड की वसूली की गई।

इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2025-26 में अवैध उत्खनन, परिवहन और भण्डारण के अभी तक 15 प्रकरण दर्ज किए गए जिसमें 14 लाख 03 हजार 145 अधिरोपित अर्थदण्ड के विरूद्ध 13 लाख 71 हजार 520 रूपये की वसूली की गई है। जिले मे अवैध परिवहन के 12 मामले दर्ज कर 10 लाख 99 हजार 145 अधिरोपित अर्थदण्ड के विरूद्ध 10 लाख 67 हजार 520 रूपये की वसूली की गई। इसी प्रकार अवैध उत्खनन के 03 प्रकरण दर्ज किए गए जिसमें 03 लाख 04 हजार रूपये की वसूली की गई।

जूडा ने किया देश के नाम रक्तदान

विदिशा। राष्ट्रीय सीमाओं पर तनावपूर्ण स्थिति के मद्देनजर, हम अपने बहादुर सैनिकों के साथ एकजुटता दिखाने और राष्ट्रीय आवश्यकता के समय में चिकित्सा तत्परता सुनिश्चित करने के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन मेडिकल कॉलेज विदिशा में किया गया है। जिसमे 100 यूनिट ब्लड एकत्रित करने का लक्ष्य रखा गया। जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. विमल मेहरा ने बताया कि जूडा विदिशा के सदस्यों द्वारा रक्तदान किया गया साथ ही अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ चिकित्सक, इंटर्न डॉक्टर्स, एमबीबीएस छात्र, पैरामेडिकल स्टाफ एवं कर्मचारी शामिल रहे। डॉ. विमल मेहरा ने कहा कि अब मेडिकल कॉलेज में ब्लड बैंक चालू होने से कोई भी मरीज को भोपाल नहीं भेजा जाता बड़ी से बड़ी बीमारी का ऑपरेशन अब मेडिकल कॉलेज में होने लगे हैं। साथ ही इस मौसम में ब्लड की आवश्यकता ज्यादा होती है। इसलिए आमजनो से अपील है की समय-समय पर रक्तदान करते रहें आपके द्वारा किया गया एक रक्तदान किसी तीन जरूरतमंद की जिंदगी बचा सकता है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में श्रेष्ठ कार्य करने वाले कर्मियों को पुरस्कृत किया जायेगा

सीहोर। जल गंगा संवर्धन अभियान में श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों, कर्मियों को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा राज्य स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा। पुरस्कार दो श्रेणी में प्रदान किये जायेंगे। इस संबंध में राज?य रोजगार गारंटी परिषद के आयुक?त ने बताया कि एक पुरस्कार जल गंगा संवर्धन अभियान में समग्र रूप से उत्कष्ट कार्य पर और दूसरा मनरेगा अन?तर्गत खेत-तालाब निर्माण में श्रेष्ठ कार्य करने पर दिया जाएगा। अभियान में समग्र रूप से श्रेष्ठ कार्य करने पर पुरस्कार प्रथम, द्वितीय व तृतीय श्रेणी में दिया जाएगा। विभाग द्वारा सभी कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ को निर्देश पत्र भी जारी कर दिए गए हैं।

अभियान में समग्र रूप से श्रेष्ठ कार्य करने वाले जिले के कलेक्टर को क्रमशः एक लाख 50 हजार रुपये, एक लाख 25 लाख रुपये और एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि से पुरस्कृत किया जाएगा। इसी प्रकार मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) जिला पंचायत को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस?कार क्रमशः एक लाख, 75 हजार और 50 हजार रुपये पुरस्कार स्वरूप राशि प्रदान की जाएगी। जबकि, जिले के अमले के लिए क्रमशः6 लाख, 4 लाख 50 हजार और 3 लाख रुपये की पुरस्कार स्वरूप राशि प्रदान की जाएगी। जिले के अधिकारियों-कर्मचारियों को पुरस्कार देने के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय समिति द्वारा चयन किया जाएगा। इसके साथ ही यदि अभियान के अंतर्गत श्रेष्ठ कार्य करने वाले जिला, जनपद, पंचायत में कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों, कर्मियों का स्थानांतरण हो जाता है तो उन्हें पदस्थापना की कार्य अवधि के समानुपात में पुरस्कार की राशि प्रदान की जाएगी। जिन नवगठित जिलों में जिला पंचायत गठित नहीं है उन जिलों के कलेक्टरों को संयुक्त रूप से उनकी जनपदों के प्रदर्शन के आधार पर समानुपातिक रूप से पुरस्कार दी जाएगी।जल गंगा संवर्धन अभियान की अवधि पूर्ण होने पर मनरेगा डेशबोर्ड/पोर्टल/पर निर्धारित मापदंडों के अनुसार जिला, जनपद और ग्राम पंचायतों की रैंक के आधार पर श्रेणियों का चयन कर सत्यापन राज्य स्तर पर किया जाएगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान में खेत-तालाब के निर्माण में उत्कृष्ट कार्य वाले जिले व विकासखंड को पुरस्कृत किया जाएगा। यह पुरस्कार दो श्रेणियों में दिया जाएगा। जिला स्तरीय पुरस्कार के लिए ए व बी दो श्रेणी होगी। ए श्रेणी में 4 या उससे कम जनपदों को शामिल किया जाएगा। है। इसी तरह से बी श्रेणी में 5 या उससे अधिक जनपदों को शामिल किया जाएगा। विकासखंड स्तरीय पुरस्कार के लिए भी ए व बी श्रेणी निर्धारित की गई। ए श्रेणी में 70 या उससे कम ग्राम पंचायतों वाली जनपद पंचायतों को शामिल किया गया, जबकि बी श्रेणी के लिए 71 या उससे अधिक ग्राम पंचायत वाली जनपदों को शामिल किया गया है। जिला स्तर व विकासखंड स्तर की दोनों श्रेणियों के लिए 1-1 पुरस्कार दिया जाएगा। जिला स्तरीय पुरस्कार ए व बी श्रेणी में आने वाले कलेक्टर को 1 लाख रुपये, मुख्य कार्यपालन अधिकारी को 75 हजार रुपये, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को 50 हजार रुपये और जिले के अमले के लिए 2 लाख 75 हजार रुपये की राशि पुरस्कार के तौर पर दी जाएगी।

आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित उपचार की तैयारियों की जांच हेतु जिला अस्पताल में की गई मॉकड्रिल

रायसेन। सिविल डिफेंस प्लान के तहत आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित उपचार की तैयारियों की जांच हेतु जिला अस्पताल में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा तथा पुलिस अधीक्षक श्री पंकज पाण्डे की उपस्थिति में मॉकड्रिल की गई। जिसमें एम्बुलेंस के माध्यम से घायलों को जिला अस्पताल लाया गया जहां त्वरित रूप से उपचार प्रारंभ किया गया। एम्बुलेंस जिला अस्पताल पहुंचते ही अस्पताल स्टाफ तुरंत स्ट्रेचर लेकर एंबुलेंस के पास पहुंचे और घायलों को स्ट्रेचर पर लिटाकर आईसीयू में भर्ती किया। डॉक्टर्स और नर्स भी तत्काल आईसीयू में पहुंचे। यहां मरीजों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक उपचार प्रारंभ किया गया। मॉकड्रिल के उपरांत कलेक्टर श्री विश्वकर्मा तथा पुलिस अधीक्षक श्री पाण्डे द्वारा जिला अस्पताल का निरीक्षण कर ओपीडी, सीटी स्कैन, पैथोलॉजी यूनिट और आईसीयू की व्यवस्थाएं देखीं। साथ ही मरीजों के वार्ड में जाकर मरीजों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और उपचार के बारे में भी पूछा। सीएमएचओ डॉ दिनेश खत्री और सिविल सर्जन डॉ अनिल ओढ़ द्वारा आपातकालीन तैयारियों की जानकारी दी गई।

मऊगंज सिविल अस्पताल का मारपीट मामला

रामपुर के सरपंच पर लगे दर्जनभर बदमाशों को एकत्रित कर युवक के साथ मारपीट के आरोप, घायल युवक जिंदगी और मौत के बीच कर रहा संघर्ष

घायल की पत्नी ने कहा देवतालाब से बीजेपी विधायक आरोपियों को देते हैं संरक्षण

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। बीते दिनों सिविल अस्पताल मऊगंज में जमकर लाठी डंडे चले थे। जिसपर घटना में कई लोग घायल हुए हैं जिन्हें रीवा रेफर किया गया है। घटना में गंभीर रूप से घायल प्रभाकर शुक्ला की पत्नी ने घटना को लेकर अपने गांव रामपुर के सरपंच पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

घायल प्रभाकर शुक्ला की पत्नी का कहना है कि घटना दिनांक से ही हर जगह यह खबर चल रही है कि जमीनी विवाद के चलते यह मारपीट की घटना हुई है जबकि ऐसा बिल्कुल भी नहीं है बल्कि बेवजह ही गांव के वर्तमान सरपंच ने उनके पति के साथ गांव में ही मारपीट कर दी जिसके बाद वह मामले की शिकायत लेकर थाने गए जहां से उन्हें मेडिकल चेकअप के लिए मऊगंज सिविल अस्पताल भेजा गया था परंतु वहां भी स्थानीय सरपंच अखिलेश शुक्ला के कुछ गुर्गे आ गए और बड़ी ही निर्दयता पूर्वक उन्होंने हमला कर दिया जिसमें कई लोग घायल हुए हैं वहीं उनके पति प्रभाकर शुक्ला को गंभीर चोटें आई हैं जिसके कारण प्रभाकर को रीवा के विंध्या हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है जहां अब भी वह जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहे हैं।

प्रभाकर की पत्नी ने बताया कि वह छत्तीसगढ़ के कोरवा में अपने परिवार के साथ रहती हैं तथा घटना से कुछ दिनों पहले ही मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए वह अपने गांव रामपुर आई थी जहां बिना किसी विवाद के ही गांव के सरपंच अखिलेश शुक्ला ने उनके पति के साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया है। हालांकि घटना के बाद पुलिस ने तत्काल ही मामले पर एफआईआर दर्ज करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है मगर अब भी उन्हें सही न्याय नहीं मिला है क्योंकि घटना के अन्य आरोपी अभी भी पुलिस गिरफ्त से बाहर है

घायल प्रभाकर शुक्ला की पत्नी बताती हैं कि गांव के सरपंच अखिलेश शुक्ला नशे का कारोबार करते हैं जिसमें उन्हें स्थानीय थाने की पुलिस के साथ ही क्षेत्र के भाजपा विधायक सहयोग करते हैं और इसी वजह से पुलिस के द्वारा उनके खिलाफ कोई ठोस एक्शन नहीं लिया जा रहा है।

अजीत, संतोष, ऋतु आडवाणी ने किया रक्तदान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना सिन्धु विकास समिति द्वारा लगातार चलाए जा रहे रक्तदान अभियान में जुड़कर निरंतर युवा एवं मातृशक्ति रक्तदान कर रहे हैं उसी कड़ी में 14 मई को जिला एवं बिरला अस्पताल में भर्ती जरूरतमंदों को अजीत गेलानी,संतोष दौलतानी,एवं ऋतु आडवाणी ने रक्त की सेवा देकर मानव धर्म निभाया

समिति संस्थाध्यक्ष विनोद गेलानी के कुशल मार्गदर्शन में पिछले कई वर्षों से रक्तदान जीवनदान की अलख ज्योति जलाकर इंसानियत का धर्म निभाते हुए मानवता की सेवा कर रही है एवं अभी तक 6595 यूनिट रक्तदान एवं 35 यूनिट प्लेटलेट्स करवाने का एक रिकॉर्ड भी कायम किया है। रक्तदान करवाने मे डॉ.कमल भोजवानी,डॉ.नेहा यादव,डॉ.नर्मदा प्रसाद तिवारी,डॉ.दीपक सोई, मनोहर शुगानी, संजय आहूजा, आकाश बनर्जी,मनीष सदानी का उल्लेखनीय योगदान रहा।

रक्तवीरों के रक्तदान करने पर संस्था के संरक्षक श्री गोपी गेलानी श्रीचंद मनवानी मनोहर डिगवानी अध्यक्ष विनोद गेलानी ज्ञान खटवानी श्रीचंद शीतलानी घनश्याम मंघरानी संजय वाधवानी महेश रावलानी गंगाराम सचदेव दिलीप सोनी अमित कामरानी रंजीत सेनानी जितेंद्र गावरी गोपीचंद कापड़ी विजय जग्यासी अशोक चांदवानी बसंत खत्री दीपक वाधवानी केशव मखीजा राजेश कोटवानी राजकुमार साधवानी मनीष टेकवानी पंकज आहूजा मनीष सदानी अमित घोघवानी सहयोगी आकाश बनर्जी मनमोहन माहेश्वरी विभाग बनर्जी आशीष मोगिया बसंत शर्मा निक्की मनचंदानी विशाल राजपाल संजय आहूजा बंसी नागदेव महिला मंडल से मोना चोपड़ा राखी होतचंदानी डॉ. मनीषा सोई डॉक्टर विद्या पांडे, कशिश नागदेव सिमरन होतचंदानी निशा गोयल आभा सिंह रशिम जैन प्रेरणा जादवानी अनामिका सोनी ने रक्तवीरों को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

वरिष्ठ भाजपा नेता शिव कुमार सिंह बघेल के निधन पर लोगों ने किया शोक व्यक्त

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। त्यौंथर तहसील के रक्सहाकला ग्राम पंचायत निवासी शिवकुमार सिंह का आकस्मिक निधन पर लोगों ने शोक व्यक्त किया वही स्व शिवकुमार सिंह भाजपा के वरिष्ठ नेता के साथ पूर्व सरपंच भी थे ग्रामीणों की माने तो हमेशा समाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते थे निधन पर सांसद जनार्दन मिश्रा,पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी,विधायक सिद्धार्थ तिवारी, वरिष्ठ भाजपा नेता कौशलेश तिवारी"तिवारीलाल" कि.मो. जिला अध्यक्ष प्रशांत पाठक, शत्रुध्न सिंह,श्रीनिवास मिश्र, चन्द्र शेखर मिश्रा (शानू)शेषमणि मिश्र, राजन शुक्ला, आज़ाद अनिकेत, गौरव,संजय तिवारी, संदीप,विमलेश,अशोक गुप्ता, प्रकृति चंद्र गुप्ता, आयुष, राजू, लवकुश,पं. चन्द्र शेखर युवा उत्थान संस्थान त्योंथर के सदस्य सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने शोक व्यक्त किया।

बसामन मामा गौवंश वन्य विहार एवं गौधाम हिनौती में निर्माणाधीन कार्यों व संचालन व्यवस्था की कलेक्टर ने समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बसामन मामा गौवंश वन्य बिहार एवं गौधाम हिनौती के संचालन संधारण व्यवस्थाओं तथा निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि बसामन मामा गौवन्य बिहार में बाउंड्रीबाल निर्माण, मृत पशुओं के निष्पादन की इकाई लगाने के कार्य शीघ्रता से करायें। उन्होंने कहा कि गत दिनों उप मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में दिये गये निर्देशों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने हिनौती गौधाम में शेड निर्माण, प्रशासनिक भवन निर्माण सहित अन्य निर्माण कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए कार्यों को गति देकर पूर्ण कराने के निर्देश दिये। बैठक सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, एसडीएम सिरमौर राजेश सिन्हा, उप संचालक पशु चिकित्सा डॉ. राजेश मिश्रा डॉ. संजय सिंह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बारिश में करंट से बचने के लिये एडवायजरी जारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मॉनसूनी मौसम के दौरान हवा में नमी के कारण करंट लगने की आशंका ज्यादा रहती है। करंट से लोगों की मौत हो जाती है। लेकिन ज्यादातर मौतों को टाला जा सकता है। ज्यादातर मौतें घरों में अर्थिंग नहीं होने या कमजोर अर्थिंग की वजह से होती है। अर्थिंग या तो स्थानीय स्रोत से प्राप्त की जा सकती है या घर पर ही गहरा गढ़डा खोदकर खुद बनाई जा सकती है। बारिश में बिजली से होने वाली दुर्घटनाओं से बचने के लिए विद्युत विभाग द्वारा एडवायजरी जारी की गयी है। जारी एडवायजरी में घर में अर्थिंग की उचित व्यवस्था रखें। हरे रंग के तार को हमेशा याद रखें, इसके बिना कभी बिजली उपकरण का प्रयोग न करें, खास कर जब यह पानी के स्रोत को छू रहा हो। पानी करंट के प्रवाह की गति को बढ़ा देता है, इसलिए नमी वाले माहौल में अतिरिक्त सावधानी रखें। दो पिन वाले बिना अर्थिंग के उपकरणों का प्रयोग न करें। तीन पिन वाले प्लग का प्रयोग करते समय ध्यान रखें कि तीनों तार जुड़े हों और पिनें खराब न हों। तारों को सॉकेट में लगाने के लिए माचिस की तीलियों का प्रयोग न करें। किसी भी तार को तब तक न छुएं, जब तक बिजली बंद न कर दी गई हो। अर्थिंग के तार को न्यूट्रल के विकल्प के तौर पर प्रयोग न करें। सभी जोड़ों पर बिजली वाली टेप लगाएं, न कि सेलोटेप या बेंडेड। गीज़र के पानी का प्रयोग करने से पहले गीज़र बंद कर दें। हीटर प्लेट का प्रयोग नंगी तार के साथ न करें। घर पर सूखी रबड़ की चप्पलें पहनें। घर पर मिनी सर्किट ब्रेकर और अर्थ लीक सर्किट ब्रेकर का प्रयोग करें। मेटलिक बिजली उपकरण पानी के नल के पास न रखें। रबड़ के मैट और रबड़ की टांगों वाले कूलर स्टैंड बिजली उपकरणें को सुरक्षित बना सकते हैं। केवल सुरक्षित तारें और फ्यूज का ही प्रयोग करें। अर्थिंग की जांच हर छह महीने में करते रहें। किसी भी आम टैस्टर से करंट के लीक होने का पता लगाया जा सकता है। फ्रिज के हैंडल पर कपड़ा बांध कर रखें। प्रत्येक बिजली उपकरण के साथ बताए गए निर्देश पढ़ें।

समर्थन मूल्य पर तुअर उपार्जन के लिए पंजीयन अब 30 तक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास मनोज कश्यप ने बताया कि भारत सरकार की प्राईस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में प्राईस स्कीम अंतर्गत तुअर उपार्जन पोर्टल पर फसल तुअर के पंजीयन की अंतिम तिथि 15 मई से बढाकर अब 30 मई 2025 निर्धारित की गई है।

राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने फायर स्टेशन और पेवर्स रोड निर्माण का किया भूमिपूजन

'विकास एक सतत प्रक्रिया है, जो निरंतर चलती रहती है'

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने शुक्रवार को मुक्तिधाम के सामने महदेवा रोड़ धवारी वार्ड क्रमांक 32 में 33.74 लाख रूपये लागत राशि के फायर स्टेशन और वार्ड क्रमांक 31 में 16.83 लाख रूपये की लागत से बनने वाले पेवर्स रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस मौके पर महापौर योगेश ताम्रकार, स्पीकर नगर निगम राजेश चतुर्वेदी, निर्माण समिति के अध्यक्ष गोपी गेलानी, प्राचार्य आलोक त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्र म को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने कहा कि विकास एक सतत प्रक्रि या है, जो निरंतर चलती रहती है। किसी भी प्रकार के विकास कार्य को कराये जाने में समय लगता है, थोडी-बहुत परेशानी का भी सामना करना पडता है। लेकिन उस कार्य के पूर्ण हो जाने के बाद नागरिकों का जीवन सुगम और सुविधाजनक हो जाता है। नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत होने वाले विकास कार्यों से किसी व्यक्ति का नहीं अपितु पूरे क्षेत्र के लिए सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। राज्यमंत्री ने कहा कि धवारी में फायर स्टेशन के बन जाने से आस-पास के क्षेत्रों में होने वाली आगजनी की घटनाओं में तत्काल काबू पाया जा सकेगा। इससे समय भी बचेगा और नुकसान का भी खतरा कम रहेगा। उन्होंने कहा कि सतना नगर निगम के पास अपग्रेड सिस्टम का फायर ब्रिगेड मौजूद है। जो शहर के किसी भी क्षेत्र में तत्काल आगजनी की घटनाओं को रोकने में सक्षम है। राज्यमंत्री ने कहा कि वार्ड पार्षद सहित आप सब इन निर्माण कार्यों की निगरानी रखे। जिससे कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण हो सके। कार्यक्र म में महापौर योगेश ताम्रकार ने बताया कि मध्यप्रदेश में सतना पहला नगर निगम है, जो आईएसओ सर्टीफाइड है। नगर निगम सतना का फायर डिपार्टमेंट वॉकी-टॉकी से लेस है। धवारी में इस चौथे फायर स्टेशन के बन जाने के बाद शहर के चारों कोने में कही भी कोई अग्नि दुर्घटना होती है तो महज 8 से 9 मिनट के अंदर फायर बिग्रेड की गाडियां प्रभावित स्थल तक पहुंच सकती है। उन्होंने बताया कि सतना नगर निगम के पास मध्यप्रदेश की चौथी हाइड्रोलिक फायर बिग्रेड है जो 50 फीट ऊपर तक जाकर आग बुझा सकती है।

सीबीएसई दसवीं के परीक्षा परिणाम में भारतीय विद्या भवन प्रिज्म स्कूल श्रेष्ठतम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सीबीएसई द्वारा 13 मई 2025 को घोषित दसवीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में भारतीय विद्या भवन प्रिज्म स्कूल सतना का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत एवं श्रेष्ठतम रहा। साई सिद्वार्थ मिसाला पुत्र रामाराव मिसाला, मैकेनिकल विभाग ने 97.2 प्रतिशत अंको के साथ विद्यालय में प्रथम, हर्षवर्धन मिश्रा पुत्र प्रकाश कुमार मिश्रा, मैकेनिकल -1 विभाग ने 96.8 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय तथा शिरीष शुक्ला पुत्र योगेन्द्र नाथ शुक्ला, पर्यावरण विभाग ने 92.6 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विद्यालय के 93.3 प्रतिशत छात्र प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। जिनमें 66.7 प्रतिशत विद्यार्थियों ने डिस्टिंक्शन अंक प्राप्त किए। विद्यालय का औसत परीक्षा प्राप्तांक 80.24 प्रतिशत रहा। कम्प्यूटर सांइस ;प्ध्द्ध में साई सिद्वार्थ मिसाला, निशि त्रिपाठी तथा हर्षवर्धन मिश्रा ने सौ प्रतिशत अंक प्राप्त किए। संस्कृत विषय में साई सिद्वार्थ मिसाला ने सौ प्रतिशत अंक अर्जित किए।

छात्रों की सुयषपूर्ण उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ0 रामानंद गोस्वामी ने विद्यालय परिवार एवं अभिभावकों की भूमिका की प्रशंसा कर छात्रों को शुभाशीष प्रदान करते हुए कहा कि हमारे प्रतिभाशाली छात्रों की शानदार उपलब्धि पर शाला परिवार को गर्व है। आप सभी का जीवन उन्नत हो।

विद्यालय के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विद्यालय विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष तथा प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट एचआरएम एवं कारपोरेट अफेयर्स मनीष कुमार सिन्हा, प्रेसीडेंट एवं प्लांट हेड मनीष कुमार सिंह प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड ने छात्रों, अभिभावको, शिक्षको, व प्राचार्य महोदय को हार्दिक शुभकामनाएँ दी। उपरोक्त आशय की जानकारी प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड मनकहरी के एजीएम सीएसआर एवं जनसंपर्क अधिकारी देवेन्द्र मिश्रा ने दी।

जिले के कृषकों को ग्रीष्मकालीन फसलों हेतु मई माह के लिए कृषि परामर्श

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास मनोज कश्यप ने बताया कि सतना एवं मैहर जिले में ग्रीष्मकालीन फसलों के लिए कृषि परामर्श हेतु मई माह के लिए कृषि परामर्श जारी किया गया है। विभाग द्वारा कृषकों को दी गई सलाह में गन्ना की फसल में ग्रीष्मकालीन अवस्था में तापमान के अनुसार फसल को आवश्यकता होने पर सिंचाई करें। गन्ने की फसल में निंदाई-गुडाई करें। जिससे खरपतवार नियंत्रण एवं नमी संरक्षण हो सके। इसी प्रकार मूंग व उडद की फसल में ग्रीष्मकालीन मूंग व उडद फसल में उचित समय पर सिंचाई करें। जिससे नमी बनी तथा बढते तापक्र म का फसल पर कम से कम प्रभाव पडे। फसल पर रसचूसक कीट का प्रयोग दिखाई देने पर डायमिथोएट 30 ईसी, 2 मिली/लीटर या इंमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस एल 0.2 मि.ली./लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें। फसल पर एन.पी.के (19:19:19) जल विलेय उर्वरक को फूल आने से पहले और फली बनने की अवस्था पर 5 ग्राम/लीटर पानी में घोला बनाकर छिडकाव करना चाहिए। जिससे उपज में वृद्धि हो सके। कपास की फसल में जहां सिंचाई की सुविधा हो, कपास की बुआई 15-25 मई के मध्य कर ले।

किसानों का सामान्य सलाह फसल गहाई के उपरांत उत्पाद को उचित नमी तक धूप में सुखायें। तत्पश्चात भण्डार गृह को साफकरके उसमें भण्डारित करें। फसल कटाई उपरांत खेत में उचित नमी हो तो जुताई करें। गेहूं की कटाई के उपरांत नरवाई न जलायें। पूर्व में बोई गई फसलों के अवशेषों को खेत से बाहर करें जिससे कि बीमारी एवं रोगों की रोकथाम हो सके। खरीफ में जिन फसलों को बुवाई करनी हो उनकी उन्नतशील किस्मों के प्रमाणित बीज की व्यवस्था जरूर कर लेवें। किसान भाई मिट्टी परीक्षण हेतु नमूना एकत्रित कर कृषि विभाग के अधिकारियों से सम्पर्क करें। सिंचाई के लिए ड्रिप, स्प्रिंकलर इत्यादि सिंचाई उपकरणों का उपयोग उपलब्धता के आधार पर करें। जिससे सिंचाई के जल का समुचित उपयोग हो सके। भूमि जनित रोगों के नियंत्रण हेतु खेत की जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करें। किसानों का सामान्य सलाह में फसलों के कीट व्याधियों की पहचान तथा उनके रोकथाम की जनकारी हेतु मोबाईल एप्लीकेशन छंजपवदंस च्मेज "नतअमपससंदबम "लेजमउ ; छ च " " द्ध 'जिजचे्र//चसंलण्हवववहसमण्बवउ〉 जवतम/चचे/कमजंपसे?पकबवउ ण्दचे अपने मोबाईल में डाउनलोड कर उपयोग करें।

कलेक्टर ने किया गौ अभ्यारण्य स्थल का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने शुक्रवार को चित्रकूट के बगदरा घाटी में प्रस्तावित गौ अभ्यारण्य के स्थल और झुरी नाला चित्रकूट का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने ग्राम पंचायत तिघरा पहुंचकर निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और मौके पर मौजूद विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, डीएफओ मयंक चांदीवाल, एसडीएम एपी द्विवेदी उपस्थित रहे।

शौर्य संचलन यात्रा का पुष्पवर्षा कर किया स्वागत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा 16 मई शुक्रवार को आयोजित शौर्यसंचलन यात्रा का सिन्धी कॉलोनी में शिव चौक एवं गेलानी परिसर में चेंबर अध्यक्ष श्री सतीश सुखेजा जी के सानिध्य में पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया।

इस अवसर पर सतीश सुखेजा संजय शाह रोहित अग्रवाल अरविंद शर्मा विनोद गेलानी मुरलीधर गंगवानी प्रदीप मीरानी अशोक चांदवानी देवेंद्र सत्यवानी ज्ञान खटवानी संजय आहूजा संजय वाधवानी विकास सुखेजा बंसी नागदेव विक्रम गेलानी सागर जसवानी एवं कई सम्मानीय सदस्य का प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

विचार

भारत-पाकिस्तान युद्ध में कितने चेहरे बेनकाब

बीते हफ्ते भारत-पाकिस्तान के बीच 4 दिन छिटपुट लड़ाई चली। इस दौरान जहां भारत ने अपने पड़ोसी के साथ संबंध की नई इबारत लिख दी, तो वहीं चीन का तिलिस्म फूट गया और अमरीका की दोहरी नीति फिर बेनकाब हो गई। इस बीच देश का एक हिस्सा इस बात से नाराज है कि युद्ध में हावी भारत ने पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम क्यों स्वीकार किया। 'ऑप्रेशन सिंदूर' की कामयाबी को समझने का सही तरीका यह है कि भारत ने इस सैन्य अभियान में क्या मकसद तय किए थे और उन्हें कितना अच्छे से अंजाम दिया। भारत और पाकिस्तान के संबंध अब पुराने ढर्रे पर नहीं, बल्कि नई शर्तों पर तय होंगे। पाकिस्तान की शह पर होने वाला कोई भी आतंकी हमला अब सीधे युद्ध की घोषणा माना जाएगा और भारत उसकी जवाबी कार्रवाई बिना देर किए करेगा। 12 मई को प्रधानमंत्री मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन में यह साफ हुआ। 2008 के मुंबई हमलों में भारत सिर्फ 'कड़ी निंदा' करने तक सिमटा हुआ था लेकिन 2016 और 2019 की सर्जिकल स्ट्राइक के बाद डंके की चोट पर भारत ने पाकिस्तान के भीतर जाकर जवाब दिया था। मारे गए आतंकियों में मसूद अजहर के रिश्तेदार यूसुफ अजहर, मुदस्सिर अहमद और अब्दुल मलिक सहित कई पुराने जिहादी शामिल थे, जिनका नाम 9-11 और लंदन हमले जैसी अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं से भी जुड़ा रहा था। पाकिस्तान का आतंकियों के साथ गठजोड़ खुलकर सामने आ गया। मारे गए जिहादियों को पाकिस्तानी झंडे में लपेटा गया, नमाजे-जनाजा में पाकिस्तानी फौज, पुलिस और नेता शामिल हुए। अमरीका द्वारा घोषित आतंकवादी हाफिज अब्दुल रऊफ के साथ पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य अधिकारी जनाजे का नेतृत्व कर रहे थे, जो ओसामा बिन लादेन प्रकरण के बाद फिर साबित करता है कि पाकिस्तान में आतंकवाद राजकीय नीति का हिस्सा है। 'ऑप्रेशन सिंदूर' ने भारत की सैन्य ताकत को वैश्विक मंच पर सामने रख दिया। 4 दिन चले इस अभियान में भारत ने फ्रांसीसी,रूसी और इसराईली हथियारों के साथ स्वदेशी सैन्य उपकरणों,राडार और वायुरक्षा प्रणाली 'ए.डी.एस.' का प्रभावी प्रदर्शन किया। पाकिस्तान का चीनी ए.डी.एस. न केवल पूरी तरह ध्वस्त हो गया, बल्कि बाजार में उपलब्ध चीनी माल की तरह खोखला और बेजान निकला। भारत ने सटीक वार करते हुए यह दिखा दिया कि वह बिना आम नागरिकों को नुकसान पहुंचाए, अपने किसी भी लक्ष्य को भेद सकता है। अब भारत केवल एक क्षेत्रीय ताकत नहीं, बल्कि वैश्विक रक्षा शक्ति बनता जा रहा है।

अरुणाचली चाल है पाक के हक में चीन की बौखलाहट

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के सफल 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद चीन बौखला गया है। पाकिस्तान की करारी हार एवं उसे दिये गये सबक को चीन पचा नहीं पा रहा है। चीन-पाक की सदाबहार दोस्ती के उदाहरण बार-बार सामने आते रहे हैं, हाल ही में सैन्य टकराव के दौरान चीन ने प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर पाकिस्तान का समर्थन ही नहीं किया, बल्कि सैन्य व आर्थिक मदद भी की। ऐसे ही संवेदनशील समय पर चीन ने भारतीय जमीन पर दावेदारी जताने एवं अरुणाचल के 27 स्थानों को चीनी नाम देने की कुचेष्टा की है। उसकी यह नापाक कोशिश भी पाक के साथ खड़े होने का ही प्रयास है। यह ध्यान रहे कि वह अरुणाचल एवं उसके अनेक क्षेत्रों, इनमें आवासीय क्षेत्रों के साथ पहाड़ और नदियां भी हैं, इनको पहले ही चीनी नाम दे चुका है।

भारत सरकार ने अरुणाचल के भीतरी स्थानों को नए नाम देने के चीन के निराधार और बेतुके प्रयासों को स्पष्ट रूप से खारिज करते हुए इसकी निन्दा की है। चीन अपनी दोगली नीति, षडयंत्रकारी हरकतों एवं विस्तारवादी मंशा से कभी बाज नहीं आता। वह हमेशा कोई ऐसी कुचेष्टा करता ही रहता है जिससे भारत चीन बॉर्डर पर अक्सर तनाव रहता है। हालांकि भारत ने दो टूक जवाब देते हुए साफ कहा है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और यह चीनी दुष्प्रचार के सिवाय कुछ नहीं है। चीन की इस हरकत ने यह साफ कर दिया है कि उससे संबंध सुधारने की भारत की तरफ से कितनी ही पहल हो जाए, वह सुधरने वाला नहीं है।

निश्चित ही चीन की ये दकियानूसी हरकतें पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं, यह उसके दुस्साहस एवं उच्छृंखलता का द्योतक है। नाम बदलने से इस स्पष्ट और निर्विवाद वास्तविकता को नहीं बदला जा सकता कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा। इस तरह की करतूतों, बचकानी एवं बेतूकी हरकतों से भारत को उकसाना चाहता है। इसी नीति के तहत वह भारत के पड़ोसी देशों में अपनी पैठ बना कर पुलों, सड़कों, व्यावसायिक केंद्रों आदि का निर्माण कर भारत की सीमा पर तनाव पैदा करने की भी कोशिश करता रहा है। शायद उसने यह मुगालता पाल लिया है कि ताजा घटनाक्रम से भारत दबाव में आ जाएगा लेकिन भारत अब ऐसे किसी दबाव में न तो आयेगा, बल्कि इनका सक्षम एवं तीक्ष्ण तरीके से जबाव देने में भारत सक्षम है। चीन का अधिक बौखलाहट एवं खीज का बड़ा कारण भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम, ड्रोन, मिसाइल आदि की इस कदर पोल खोल कर रख दी कि अब उसके लिए दुनिया के निर्धन देशों को अपने दोयम दर्जे एवं घटिसा किस्म के चीनी हथियार बेचना कठिन होगा। पाकिस्तान ने जिस चीनी मिसाइल का इस्तेमाल किया था, उसे भारत ने नाकाम कर दिया।

चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता है। चीन भरोसे लायक देश नहीं है, चीन के प्रति कठोर रवैया जरूरी है। निस्संदेह नाम बदलने जैसी घटनाएं हमें सतर्क करती हैं कि चीन के साथ मैत्री संबंधों के निर्धारण के दौरान हमें सजग, सावधान व सचेत रहना चाहिए। अन्यथा चीन पीठ पर वार करने से नहीं चूकने वाला है। भारत को चीन के साथ अपनी तिब्बत नीति पर भी नए सिरे से विचार करना होगा। पिछले तीसरे साल में चीन ने अरुणाचल प्रदेश के अनेक स्थानों के नाम बदले हैं। चीन अरुणाचल को जांगनान के नाम से दर्शाता है। वहीं इसे तिब्बत के दक्षिणी हिस्से के रूप में होने का दावा करता है। चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। जिसमें उसके सैनिक गलवान घाटी में घुस आए थे, जिन्हें रोकने में खूनी संघर्ष हुआ। तबसे दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। भारत के हिस्से की जमीन पर कब्जा करने के इरादे से वह चोरी-छिपे और चालबाजी से घुसपैठ करने की कोशिशें करता रहता है। चीन की विस्तारवादी नीति भारत सहित सम्पूर्ण एशिया के लिये ही नहीं, पूरे विश्व के लिए बड़ा खतरा है।

चीन भारत की बढ़ती ताकत एवं रूतबे से परेशान है। भारत की बढ़ती आर्थिक और सामरिक ताकत चीन को चुभती रही है, इसलिए वह चोरी, चालाकी और चालबाजी से भारत को कमजोर करने की चालें चलता रहता है। दरअसल, सीमाओं को लेकर नित नए विवादास्पद तथ्य लाना चीन की फितरत में शामिल है। अरुणाचल प्रदेश ही नहीं, अक्साई चिन, ताइवान और विवादित दक्षिण चीन सागर पर भी चीन अपना दावा जताता रहा है। शातिर और चालबाज चीन अरुणाचल के किसी दस्तावेज पर भारत का नाम स्वीकार नहीं करता। कुछ मौकों पर तो वह अरुणाचल को अपने नक्शे में शामिल कर दुनिया के सामने साबित करने की कोशिश कर चुका है कि वह उसका इलाका है। मगर भारत की तरफ से मिले सख्त प्रतिरोध की वजह, सामरिक शक्ति और रणनीतिक सूझ-बूझ से उसे हर बार मुंह की खानी पड़ी है।

भारत को अनेक मोर्चों पर चीन को आडे हाथ लेना होगा, सबसे जरूरी है चीन सामान का बहिष्कार, इस पर सरकार के साथ हमारे उद्योग जगत एवं आम जनता को भी गंभीरता से सोचना होगा। ऐसा करके ही चीन की कमर को तोड़ा जा सकता है, आज दुनिया के अनेक देश चीनी सामान का बहिष्कार कर रहे हैं, हमें भी कठोर कदम उठाने होंगे। भारत ने जब भी पाकिस्तान में पनाह पाए आतंकियों को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादियों की सूची में डलवाने का प्रयास किया, चीन संयुक्त राष्ट्र में अपने वीटो का प्रयोग कर उसे रोकने की कोशिश करता रहा है, जबकि पूरी दुनिया आतंकवाद के खिलाफ युद्ध का समर्थन करती रही है। जिससे पता चलता है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाने तथा व्यापार-कारोबार बढ़ाने की बात करने वाला चीन भारत के प्रति कैसी दुर्भावना रखता है। वह वैश्विक संगठनों व मंचों पर भारत के साथ खड़ा होने का दावा एवं ढोंग ही करता है।

भारत एवं चीन दोनों देशों के बीच संबंधों में आने वाली तल्खी की बड़ी वजह भी चीन की नीयत में खोट, उच्छृंखलता एवं अनुशासनहीनता ही है। चीन ने एक बार फिर अपनी इस हरकत से भारत के प्रति शत्रुता को ही जाहिर किया है। भारत के साथ चीन का बर्ताव हमेशा दोगला एवं द्वेषपूर्ण रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि चीन किस तरह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मोहरे की तरह इस्तेमाल करता रहा है। जाहिर बात है कि चीन ने ऐसा न केवल चुनौतीपूर्ण समय में भारत का ध्यान भटकाने के लिये किया है, बल्कि पाकिस्तान के साथ एकजुटता दिखाने के लिये भी किया है। अपनी आर्थिक शक्ति के नशे में चूर अहंकारी चीन अंतरराष्ट्रीय नियम-कानूनों को जिस तरह धता बता रहा है, उससे वह विश्व व्यवस्था के लिए खतरा ही बन रहा है। अब यह भी किसी से छिपा नहीं कि वह गरीब देशों को किस तरह कर्ज के जाल में फंसाकर उनका शोषण कर रहा है। चीन भूल गया है कि अब भारत 1962 वाला भारत नहीं है, यह नया भारत है और आज का भारत चीन को मिट्टी में मिलाने की ताकत रखता है। भारत की रणनीति साफ है, स्पष्ट है। आज का भारत समझने और समझाने की नीति पर विश्वास करता है लेकिन अगर हमें आजमाने की कोशिश होती है तो जवाब भी उतना ही प्रचंड देने में वह समर्थ हैं। भारतीय सेना में सरहदें बदल देने की क्षमता है, दुश्मनों को इरादों को ध्वस्त करने का मादा है इसलिये चीन अपने नक्शे में भले ही छेड़छाड़ करता रहे, लेकिन भारत की भूमि पर कब्जाने की उसकी मंशा अब कभी साकार नहीं होगी।

क्या सुप्रीम कोर्ट के नहले पर राष्ट्रपति के दहले से निकल पाएगा कोई सर्वमान्य हल, लोग हुए उत्सुक?

भारत में विधायिका-कार्यपालिका बनाम न्यायपालिका का टकराव अब कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट की ओर से तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा विधेयक पर फैसला लेने की समयसीमा तय किए जाने पर पहले तो उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा कोर्ट के फैसले पर आपत्ति जताई गई, वहीं अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कतिपय महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं, जिनका जवाब सर्वोच्च न्यायालय को देना चाहिए। बता दें कि समयसीमा तय किए जाने पर राष्ट्रपति ने सवाल उठाते हुए दो टूक शब्दों में कहा है कि संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है! इसलिए सुलगता हुआ सवाल है कि जब कोई प्रावधान ही नहीं है तब इतना बड़ा न्यायिक अतिरेक कैसे सामने आया जिससे भारत की कार्यपालिका और विधायिका में भूचाल आ गया।

बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गत 8 अप्रैल 2025 को दिए गए सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दर्जनाधिक नीतिगत सवाल उठाए हैं। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में आदेश दिया था कि राज्यपालों और राष्ट्रपति को एक तय समय में उनके समक्ष पेश विधेयकों पर फैसला लेना होगा। याद दिला दें कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर काफी हंगामा हुआ था, जो अब भी विभागीय शीत युद्ध के रूप में जारी है। इसी का परिणाम है कि अब राष्ट्रपति ने इस पर आपत्ति जताई है और साफ साफ कहा है कि जब देश के संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, तो फिर सुप्रीम कोर्ट किस आधार पर यह फैसला दे सकता है।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समयसीमा तय करने जैसे विषयों पर स्पष्टीकरण मांगा है। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल मामले में दिए अपने फैसले में स्पष्ट कहा था कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। राज्यपाल की ओर से भेजे गए विधेयक पर राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर फैसला लेना होगा। अगर तय समयसीमा में फैसला नहीं लिया जाता तो राष्ट्रपति को राज्य को इसकी वाजिब वजह बतानी होगी। यही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा था कि राष्ट्रपति किसी विधेयक को पुनर्विचार के लिए राज्य विधानसभा के पास वापस भेज सकते हैं। वहीं यदि विधानसभा उस विधेयक को फिर से पारित करती है तो राष्ट्रपति को उस पर अंतिम फैसला लेना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा था कि अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति के फैसले की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। अगर राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद की सलाह के खिलाफ जाकर फैसला लिया है तो सुप्रीम कोर्ट के पास उस विधेयक को कानूनी रूप से जांचने का अधिकार होगा। यही वजह है कि राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट से पूछे 14 सवाल पूछे हैं, जो इस प्रकार हैं- पहला, राज्यपाल के समक्ष अगर कोई विधेयक पेश किया जाता है तो संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत उनके पास क्या विकल्प हैं? दूसरा, क्या राज्यपाल इन विकल्पों पर विचार करते समय मंत्रिपरिषद की सलाह से बंधे हैं?

तीसरा, क्या अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल द्वारा लिए गए फैसले की न्यायिक समीक्षा हो सकती है? चतुर्थ, क्या अनुच्छेद 361 राज्यपाल

द्वारा अनुच्छेद 200 के तहत लिए गए फैसलों पर न्यायिक समीक्षा को पूरी तरह से रोक सकता है? पांचवां, क्या अदालतें राज्यपाल द्वारा अनुच्छेद 200 के तहत लिए गए फैसलों की समयसीमा तय कर सकती हैं, जबकि संविधान में ऐसी कोई समयसीमा तय नहीं की गई है? छठा, क्या अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति द्वारा लिए गए फैसले की समीक्षा हो सकती है? सातवाँ, क्या अदालतें अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति द्वारा फैसला लेने की समयसीमा तय कर सकती हैं?

आठवां, अगर राज्यपाल ने विधेयक को फैसले के लिए सुरक्षित रख लिया है तो क्या अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट को सुप्रीम कोर्ट की सलाह लेनी चाहिए? नवम, क्या राज्यपाल और राष्ट्रपति द्वारा क्रमशः अनुच्छेद 200 और 201 के तहत लिए गए फैसलों पर अदालतें लागू होने से पहले सुनवाई कर सकती हैं। दशम, क्या सुप्रीम कोर्ट अनुच्छेद 142 के द्वारा राष्ट्रपति और राज्यपाल की संवैधानिक शक्तियों में बदलाव कर सकता है? ग्यारह, क्या अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल की मंजूरी के बिना राज्य सरकार कानून लागू कर सकती है?

बारह, क्या सुप्रीम कोर्ट की कोई पीठ अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या से जुड़े मामलों को सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की बेंच को भेजने पर फैसला कर सकती है? तेरह, क्या सुप्रीम कोर्ट ऐसे निर्देश/आदेश दे सकता है जो संविधान या वर्तमान कानूनों मेल न खाता हो? चौदह, क्या अनुच्छेद 131 के तहत संविधान इसकी इजाजत देता है कि केंद्र और राज्य सरकार के बीच विवाद सिर्फ सुप्रीम कोर्ट ही सुलझा सकता है?

दरअसल, ये ऐसे सवाल हैं जिनके जवाब देने में सुप्रीम कोर्ट को काफी माथापच्ची करनी होगी। क्योंकि ये सवाल उसी नौकरशाही द्वारा तैयार किये गए होंगे, जिसका परोक्ष शिकंजा खुद कोर्ट भी महसूस करता आया है और इससे निकलने के लिए कई बार अपनी छटपटाहट भी नहीं छिपा पाता है। इसलिए सुप्रीम जवाब का इंतजार अब नागरिकों और सरकार दोनों को है, ताकि एक और लीगल पोस्टमार्टम किया जा सके। इसलिए लोगों के जेहन में यह बात उठ रही है कि क्या सुप्रीम कोर्ट के नहले पर राष्ट्रपति के दहले से निकल पाएगा कोई सर्वमान्य हल?

कंजिया में सुशासन तिहार के तहत विशेष शिविर सम्पन्न, जनप्रतिनिधियों का हुआ सम्मान

शिविर में कुल 1348 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिसमें से 1183 आवेदनों का निराकरण किया गया

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर ज़िले के विकासखंड भरतपुर अंतर्गत ग्राम कंजिया में सुशासन तिहार 2025 के तीसरे चरण के तहत आज विशेष शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन 08 अप्रैल से 11 अप्रैल तक चल रहे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा रहा। शिविर की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसमें समस्त जनप्रतिनिधियों को छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के लिये आमंत्रित किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए जनप्रतिनिधियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया, जिससे वातावरण सम्मान और सहभागिता से परिपूर्ण रहा। कार्यक्रम के दौरान प्रशासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों को दी गई। जिसमें बताया गया कि सुशासन तिहार तीन चरणों में आयोजित किया जा रहा है और यह शिविर वर्तमान में चल रहे तीसरे चरण का हिस्सा है। ग्रामीणों को अवगत कराया गया कि इस शिविर के माध्यम से न केवल शासकीय योजनाओं की जानकारी दी जा रही है, बल्कि विभिन्न विभागों द्वारा प्राप्त आवेदनों की स्थिति जैसे- कि निराकरण, लंबित मामले और शिकायतें - की जानकारी भी साझा की जा रही है। शिविर में कंजिया सहित पतवाही, चाटी, डोगरीटोला, जमथान, घटई, मलकडोल, और मन्नौढ़ ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने सक्रिय भागीदारी की। इस शिविर ने ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं और शिकायत निवारण प्रणाली से सीधे जुड़ने का अवसर दिया, जिससे शासन और जनता के बीच विश्वास एवं संवाद को बल मिला। शिविर में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन के तहत ग्राम जल जागरूकता अभियान पर विशेष चर्चा आयोजित की गई। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व और घरेलू जल आपूर्ति से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण घर तक नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। साथ ही, लोगों को जल स्रोतों के संरक्षण और जल उपयोग में सतर्कता बरतने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर में उपस्थित ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से 'पानी बचाओ' की शपथ ली और अपने गांव में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। तत्पश्चात शिविर में उपस्थित सभी विभागों द्वारा अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं, सेवाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। जिसमें क्रमवार रूप से विभिन्न अधिकारियों ने विभागीय योजनाओं, उनके क्रियान्वयन की प्रक्रिया, पात्रता एवं प्राप्त आवेदनों की स्थिति पर प्रकाश डाला। जो इस प्रकार है शिविर में कुल 1348 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिसमें से 1183 आवेदनों का निराकरण किया गया जबकि 165 आवेदन लंबित हैं। क्रेडा विभाग में 21 आवेदन आये थे, जिसमें सभी का निराकरण किया गया। वही कृषि विभाग के 32 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें पात्र 15 में 9 निरस्त और 8 का निराकरण किया गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी 62 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 51 का निराकरण किया गया। और 11 जिसका काम अभी प्रोसेस में है, इसके साथ ही मत्स्य विभाग में 02 आवेदन प्राप्त हुए और दोनों आवेदनों का निराकरण किया गया। ,लोक निर्माण विभाग 02 आवेदन प्राप्त हुए, और प्राप्त दोनों आवेदनों का निराकरण किया गया। शिक्षा विभाग से 10 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें सभी का निराकरण किया गया। शिविर में वन विभाग के 06 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें सभी का निराकरण किया गया। छ.ग.रा विद्युत मण्डल 18 आवेदन प्राप्त हुए , जिसमें सभी का निराकरण किया गया। पशुपालन विभाग 15 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें सभी का निराकरण किया गया। इसके साथ ही शिविर में राजस्व विभाग को 132 आवेदन प्राप्त हुए ,जिसमें 130 का निराकरण किया गया और 02 लंबित है। खाद विभाग को 53 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें 38 का निराकरण किया गया, और 15 लंबित है। आवास योजना के 173 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें 02 शिकायत प्राप्त हुए जिसमें सभी का निराकरण किया गया।

प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि शेष लंबित आवेदनों पर शीघ्र कार्रवाई की जाएगी ताकि जनसमस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके। इस दौरान ग्रामीणों को यह भी बताया गया कि उनके द्वारा किए गए आवेदन कैसे प्रक्रिया में लिए जाते हैं, उनका निराकरण कितने समय में होता है, और किन योजनाओं का लाभ वे आसानी से ले सकते हैं। साथ ही लंबित आवेदनों की स्थिति और आगामी समाधान की प्रक्रिया की भी जानकारी साझा की गई। तत्पश्चात कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व केबिनेट मंत्री भरतपुर सोनहत विधायक श्रीमती रेणुका सिंह का शुभ आगमन हुआ। मंच पर पहुंचते ही रेणुका जी का पुष्पगुच्छ भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि अधिकारी कर्मचारी की कमी होने के कारण सीधा योजनाओं का लाभ प्राप्त नहीं होने की बात कही, इसके साथ ही वन नेशन वन इलेक्शन की और हैंडपंप के खराब होने की बात कहीं साथ ही उसे जल्दी सुधार करने की बात कहीं, इसके साथ ही उन्होंने अपने संबोधन में जाति जनगणना और महिला आरक्षण की बात कहते हुए आदिवासी बहुल क्षेत्र में रोड निर्माण की बात कहीं, और 10वीं एवं 12वीं के बोर्ड परीक्षाओं में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को लैपटॉप देने की बात कहीं साथ ही स्कूल के शिक्षकों को 11 हजार और विधायक निधि से 5 लाख रुपये स्कूल में आवश्यक सामग्री एवं स्टैंड निर्माण हेतु देने की बात कहीं इसके साथ ही मुख्यमंत्री मोबाइल टॉवर योजना जिन ग्रामीण क्षेत्रों में टावर नहीं है इन योजनाओं को शीघ्र लाने की बात कहीं तत्पश्चात विधायक महोदया द्वारा 10 पात्र लाभार्थियों को जिसमें दिल कुमारी, बासमती सिंह, राजा राम पाण्डो, कुसुम पाण्डो, सेमवती, दुवसिया, मीना देवी,सुभद्रा पाण्डो, मुन्नी पाण्डो एवं पार्वती को नवीन राशन कार्ड वितरित किए गए। एवं 03 आवास हितग्राही को आवास की चाबी वितरित किए। कार्यक्रम के दौरान अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा की यह शिविर जनकल्याणकारी शासन की भावना का प्रमाण है। जो इस क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि होगी। विधायक महोदया जी ने शिविर की सफलता के लिए ग्रामवासियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद देते हुए जय हिंद, जय भारत, जय छत्तीसगढ़ के उद्घोष के साथ अपना भाषण समाप्त किया। कार्यक्रम के दौरान अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे। जनपद पंचायत अध्यक्ष माया प्रताप सिंह, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष हीरालाल मौर्य, जिला पंचायत सदस्य सुखमंती सिंह, जनपद सदस्य सविता सिंह, मण्डल अध्यक्ष प्रदीप सिंह, मनोज गुप्ता, नरेश यादव, पूर्व मण्डल अध्यक्ष पवन शुक्ला, हीरालाल यादव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष दुर्गाशंकर मिश्रा, आम आदमी पार्टी जिला अध्यक्ष रमाशंकर मिश्रा, नगर पंचायत उपाध्यक्ष नीलेश मिश्रा, विधायक प्रतिनिधि रवि गुप्ता, जनपद पंचायत सदस्य धर्मपाल मरावी, रवि शंकर सिंह, सरपंच धयान सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम, एसडीएम प्रीतेश राजपूत, जनपद सीईओ अजय सिंह राठौर, तहसीलदार नीरजकांत तिवारी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी मो.इस्माइल खान सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारीगण भी इस अवसर पर उपस्थित थे, जिन्होंने कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जिले में जैव इनपुट संसाधन केन्द्र हेतु आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन योजना के क्रियान्वयन हेतु चयनित 14 कलस्टर में 9 बीआरसी का चयन किया जाना है। बीआरसी के माध्यम से निम्नलिखित कार्य कराया जाना है। बायो इनपुट का उत्पादन एवं विक्रय, उचित मूल्य पर गुणवत्ता युक्त जैव इनपुट की उपलब्धता सुनिश्चित करना, किसानों के साथ विभिन्न बायो इनपुट की तैयारी, उपयोग विधि, मात्रा, भण्डारण, एवं उनके उपयोग का प्रदर्शन करना, कृषि सखी, के.वी.के. के साथ मिलकर प्राकृतिक खेती का दस्तावेजीकरण करना, सेवा विस्तार में नर्सरी करना, उत्पादों के प्रसंस्करण एवं पैकेजिंग की सुविधा विकसित करना है। किसान उत्पादक संगठन, स्वयं सहायता समूह तथा प्राकृतिक कृषि ऋण समितियां, नेचुरल फार्मिंग कृषक, सहकारी समिति, स्थानीय उद्यमियों का चयन बायो इनपुट रेसोर्स सेंटर के लिए किये जाने हेतु पात्रता मापदण्ड निम्नानुसार हैं। प्राकृतिक कृषि में अनुभव, बायो आधारित इनपुट बनाने हेतु पशुधन, पौधों पर आधारित बायोमास, जैसे कच्चे माल की उपलब्धता, बायो इनपुट निर्माण के संबंध में प्रशिक्षण एवं अनुभव, बायो इनपुट बनाने एवं भण्डारण हेतु शेड, स्थान की उपलब्धता, आवेदक चयनित विकासखण्ड का होना चाहिए। बायो इनपुट की स्थापना चयनित कलस्टर के पंचायत में करने हेतु सक्षम एवं सहमत हो, बीआरसी प्रतिदिन कृषकों हेतु खुला रखना होगा। ऐसे नेचुरल फार्मिंग कृषक, सहकारी समिति, स्थानीय उद्यमियों जो उपरोक्तानुसार पात्रता रखते हों अपना आवेदन प्रमाणित अभिलेखों सहित 26 मई 2025 को कार्यालयीन समय 5:30 तक कार्यालय उप संचालक कृषि बंगला स्कूल, इंदिरा गांधी पार्क के पास झगराखांड जिला एमसीबी में आवेदन जमा करा सकते है। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदनों पर कोई कार्यवाही नहीं किया जायेगा। निर्धारित आवेदन फार्म कार्यालयीन समय पर प्राप्त किया जा सकता है।

चिरमिरी-नागपुर रोड हॉल्ट रेल परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया प्रारंभ

रेल मंत्रालय द्वारा अधिसूचना जारी, 6 ग्रामों की भूमि होगी अधिग्रहित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला के अपर कलेक्टर एवं सक्षम प्राधिकारी (भू-अर्जन) के आदेशानुसार चिरमिरी-नागपुर रोड हॉल्ट रेल परियोजना के अंतर्गत 17 किलोमीटर लंबे प्रस्तावित रेल मार्ग के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इस परियोजना के अंतर्गत ग्राम चिरईपानी, सरोला, बंजी, खैरबना, सरभोका एवं चित्ताझोर की ओर आने वाली निजी भूमि को अधिग्रहित किया जाएगा। भूमि अधिग्रहण हेतु रेलवे एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा सर्वेक्षण किया गया। इसके पश्चात अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मनेन्द्रगढ़, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छत्तीसगढ़) द्वारा दिनांक 07 अप्रैल 2025 को पत्र क्रमांक 1047/वाचक-1/2025 के माध्यम से चिरमिरी-नागपुर रोड हॉल्ट रेल परियोजना के लिए प्रतिवेदित भूमि सूची उप मुख्य अभियंता (निर्माण)-1, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नार्थ बिलासपुर को भेजी गई। इसके आधार पर कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के कार्यालय से पत्र क्रमांक 1876/अप. कले./वाचक/रे. परि./2025, दिनांक 01 मई 2025 को प्रेषित किया गया, जिसके माध्यम से अधिग्रहण संबंधी सूचना राजपत्र में प्रकाशन हेतु भेजी गई। तदनुसार भारत सरकार के राजपत्र में रेल मंत्रालय (दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे) द्वारा अधिसूचना संख्या 2074 दिनांक 09 मई 2025 को प्रकाशित की गई है, जो रेल अधिनियम 1989 की धारा 20 (ए) के अंतर्गत जारी की गई है। राजपत्र में प्रकाशन की तिथि 09 मई 2025 से 09 जून 2025 तक कोई भी व्यक्ति, जो उक्त अधिग्रहित की जाने वाली भूमि में हितबद्ध है, वह रेल अधिनियम की धारा 20 (घ) की उपधारा (1) के अंतर्गत इस भूमि के अर्जन और उपयोग से संबंधित कोई भी दावा या आपत्ति सक्षम प्राधिकारी को लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता है। यह दावा या आपत्ति अपर कलेक्टर न्यायालय, कक्ष क्रमांक 19, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.) में 09 जून 2025 की शाम 5 बजे तक प्रस्तुत किया जा सकता है।

तिभागियों को उपहार दे कर किया गया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सुशासन तिहार अंतर्गत जिले के विकासखंड मनेंद्रगढ़ के नगर पालिका परिसर में शासन की योजनाओं की जानकारी प्रदान करने विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रायपुर से विशेष रूप से पहुंचे आरजे नमीत की होस्टिंग में आयोजित इस कार्यक्रम में विविध मनोरंजक और खेल गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इसमें शासकीय योजनाओं पर आधारित प्रश्नोत्तरी खेल प्रतियोगिता, मनोरंजक खेल, पारंपरिक लोकनृत्य की प्रस्तुतियां शामिल रही हैं। इस दौरान प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महिला हितग्राहियों ने उत्साह से भागीदारी की और प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में चल रहे विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लेने के साथ सुशासन तिहार के अपने अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि 'सुशासन तिहार' के तहत आवेदन करने पर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान हुआ है।

जनकपुर सीएचसी में मनाया गया राष्ट्रीय डेंगू दिवस, स्वास्थ्य जागरूकता पर दिया गया जोर

आमजन को दी गई जरूरी स्वास्थ्य जानकारियां

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिला की ब्लॉक भरतपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जनकपुर में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर. के. रमन की अध्यक्षता में "राष्ट्रीय डेंगू दिवस" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन को स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति जागरूक करना था। इस वर्ष डेंगू दिवस की थीम "ष्द्ध–ष्म्र ष्द्य–ड्डठ्ठ स्ह्ल–श्चद्य ह्लश्च ष्ठ–द्ध–ड्डह्ल ष्ठ–ठ्ठद्दह्व–" अर्थात "देखें, साफ करें, ढकें, डेंगू को हराने का उपाय करें" रखी गई थी। कार्यक्रम में डॉ. रमन ने डेंगू से बचाव हेतु महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए बताया कि डेंगू रोग संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से होता है, अतः सोते समय नियमित रूप से मच्छरदानी का उपयोग करना आवश्यक है।

उन्होंने यह भी बताया कि घर के भीतर रखे कूलर, फ्रिज जैसे स्थानों की सप्ताह में एक से दो बार स्वयं सफाई करनी चाहिए ताकि मच्छर पनपने न पाएं। पीने वाले पानी को हमेशा ढक कर रखना चाहिए और घर के चारों ओर सफाई कर जमा हुए पानी को नालियों में निकलना चाहिए या उसमें जला हुआ मोबिल ऑयल डालना चाहिए ताकि मच्छरों के लार्वा को नष्ट किया जा सके। इस अवसर पर ब्लॉक कार्यक्रम अधिकारी श्री सुलेमान खान, आयुष मेडिकल ऑफिसर डॉ. प्रभाकर तिवारी, खंड प्रशिक्षण विस्तार अधिकारी श्री आर. पी. सोनवंशी, नेत्र सहायक अधिकारी श्री आर. एस. चेचाम, ब्लॉक मलेरिया सुपरवाइजर श्री राय सिंह श्याम, रेडियोग्राफर श्री बी. नाहक सहित आमजन और सीएचसी स्टाफ की उपस्थिति रही। कार्यक्रम ने जन जागरूकता के माध्यम से डेंगू की रोकथाम में जनभागीदारी का संदेश दिया।

रीवा की खबरें

जिले में समर्थन मूल्य पर 102955 टन हुई गेंहू की खरीद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य देने के लिए निर्धारित समर्थन मूल्य पर पंजीकृत किसानों से गेंहू का उपार्जन किया गया। जिले में 17716 किसानों से 102955 मीट्रिक टन गेंहू का उपार्जन किया गया है। इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश तांडेकर ने बताया कि उपार्जित गेंहू में से 95042.58 टन गेंहू का परिवहन करके सुरक्षित भण्डारण कराया जा चुका है। अब तक किसानों को 249 करोड़ 67 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। शेष किसानों को तीन दिन में लंबित राशि का भुगतान किया जा रहा है। खरीदी केन्द्रों से उपार्जित गेंहू का लगातार परिवहन करके सुरक्षित भण्डारण कराया जा रहा है।

मऊगंज जिले में समर्थन मूल्य पर 9565.5 टन हुई गेंहू की खरीद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले में किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य देने के लिए निर्धारित समर्थन मूल्य पर पंजीकृत किसानों से गेंहू का उपार्जन किया गया। जिले में 2169 किसानों से 9565.5 मीट्रिक टन गेंहू का उपार्जन किया गया है। इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश तांडेकर ने बताया कि उपार्जित गेंहू में से 7875.9 टन गेंहू का परिवहन करके सुरक्षित भण्डारण कराया जा चुका है। अब तक किसानों को 23 करोड़ 20 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। शेष किसानों को तीन दिन में लंबित राशि का भुगतान किया जा रहा है। खरीदी केन्द्रों से उपार्जित गेंहू का लगातार परिवहन करके सुरक्षित भण्डारण कराया जा रहा है।

मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्यक्रम निर्धारित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायत राज संस्थाओं के उप चुनाव के लिए मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्यक्रम निर्धारित कर दिया गया है। इसमें एक जनवरी 2025 की अर्हता तिथि को आधार मानकर नए मतदाताओं के नाम शामिल किए जाएंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार सभी रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 23 मई से 26 मई के मध्य अधिकारियों को प्रशिक्षण देने तथा शिफ्टिंग सूची के सत्यापन का कार्य करेंगे। मतदाता सूची बनाने वाले वेण्डर 30 मई को शिफ्टिंग, जाँच और संशोधन के लिए चेकलिस्ट रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को प्रदान करेंगे। मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन 5 जून को किया जाएगा। इस संबंध में मतदाताओं तथा जनप्रतिनिधियों को जानकारी देने के लिए 5 और 6 जून को स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की जाएंगी। मतदाता सूची के संबंध में दावे-आपत्तियाँ 5 से 11 जून तक प्राप्त की जाएंगी। दावे आपत्तियों का निराकरण 17 जून तक किया जाएगा। इसकी चेकलिस्ट 20 जून तक तैयार करके चेकलिस्ट में सुधार के बाद 21 जून को वेण्डर को उपलब्ध करा दिया जाएगा। फोटोयुक्त मतदाता सूची 23 जून तक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं वेण्डर द्वारा जनरेट की जाएगी। इसे 23 जून को ही वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 25 जून को ग्राम पंचायत तथा अन्य निर्धारित सार्वजनिक स्थलों पर मतदाता सूची का अंतिम रूप से प्रकाशन करेंगे। इसी दिन से मतदाता सूची की फोटो रहित सीडी विक्रय के लिए उपलब्ध हो जाएगी।

मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रशिक्षण के लिए मास्टर ट्रेनर तैनात

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार पंचायत राज संस्थाओं की मतदाता सूची का संक्षिप्त पुनरीक्षण किया जा रहा है। इसके लिए राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार समस्त कार्यवाहियाँ की जा रही हैं। मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए तैनात कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के लिए मास्टर ट्रेनर तैनात किए गए हैं। इस संबंध में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले ने बताया कि जिला स्तरीय प्रशिक्षण के लिए देवशीष बनर्जी प्राध्यापक एवं डॉ केएन शर्मा प्राध्यापक को तैनात किया गया है। विकासखण्ड स्तर पर प्रशिक्षण देने के लिए सुभाषचन्द्र त्रिपाठी व्याख्याता उमावि गंगेव विकासखण्ड तथा डॉ मनीष प्रताप सिंह सहायक प्राध्यापक शासकीय महाविद्यालय त्योंथर को त्योंथर विकासखण्ड में प्रशिक्षण के लिए तैनात किया गया है। डॉ बृजभान यादव सहायक प्राध्यापक शासकीय महाविद्यालय त्योंथर को जवा विकासखण्ड में प्रशिक्षण के लिए तैनात किया गया है।

नरवाई न जलाने तथा इससे जैविक खाद बनाने की सलाह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कृषि विभाग द्वारा जिले के किसानों को गेंहू तथा अन्य फसलों को काटने के बाद बचे हुए अवशेष (नरवाई) नहीं जलाने की सलाह दी गई है। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने कहा है कि नरवाई जलाने से एक ओर जहां खेतों में अग्नि दुर्घटना की आशंका रहती है। वहीं मिट्टी की उर्वरकता पर भी विपरीत असर पाता है। इसके साथ ही धुएँ से कार्बन डायआक्साइड की मात्रा वातावरण में जाती है जिससे वायु प्रदूषण होता है। मिट्टी की उर्वरा शक्ति लगभग 6 इंच की ऊपरी सतह पर ही होती है। इसमें खेती के लिए लाभदायक मित्र जीवाणु उपस्थित रहते हैं। नरवाई जलाने से यह नष्ट हो जाते हैं, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति को नुकसान होता है। नरवाई जलाने की बजाए यदि फसल अवशेषों को एकत्रित करके जैविक खाद बनाने में उपयोग किये तो यह बहुत लाभ दायक होगा। नाडेप तथा वर्मी विधि से नरवाई से जैविक खाद आसानी से बनाई जा सकती है। इस खाद में फसलों के लिए पर्याप्त पोषक तत्व रहते हैं। इसके आलावा खेत में रोटावेटर अथवा डिस्क हैरो चलाकर भी फसल के बचे हुए भाग को मिट्टी में मिला देने से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होता है। उप संचालक ने बताया कि गेंहू की फसल के बाद नरवाई को खाद में बदलने तथा बिना जुताई किए फसलों की बुआई के लिए सुपर सीडर तथा हैप्पी सीडर का उपयोग बहुत लाभकारी है। इससे नरवाई नष्ट होने के साथ जुताई और बुवाई का खर्च और समय दोनों बचेगा। साथ ही नरवाई से खाद भी बन जाएगी।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर आयोजन संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। डेंगू बीमारी की रोकथाम एवं बचाव हेतु सामुदायिक सहभागिता बढाने तथा जनजागरूकता के उद्देश्य से जिले के समस्त विकासखण्डों में राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया गया। जिला चिकित्सालय सभागार में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला की अध्यक्षता में डेंगू जागरूकता कार्यशाला का आयोजन कर डेंगू बीमारी के लक्षण बचाव के तरीके, बीमारी फैलाने वाले मच्छरों की लार्वा की पहचान तथा विनिष्टिकरण के तरीको की जानकारी विस्तार से दी गई। इस अवसर पर जिला मलेरिया अधिकारी स्मृता नामदेव ने जिले में डेंगू की स्थिति, डेंगू जॉच केन्द्रों की जानकारी के साथ ही डेंगू प्रसार को रोकने हेतु किये जा रहे विभागीय प्रयासों की जानकारी दी। एम्बेड प्रोजेक्ट की रिजनल कोआर्डिनेटर कंचन सिंह द्वारा प्रशिक्षण मॉडूल के पावर प्वाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से आशा कार्यकर्ताओ को प्रशिक्षण के साथ ही कार्यसह्योग पर चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि रीवा एवं मऊगंज जिले में गत वर्ष डेंगू की 6280 जॉचे हुई जिसमें 419 पॉजिटिव पाये गये। वर्ष 2025 में 2053 जॉचे हुई जिसमें अब तक 18 पाजिटिव मरीज पाये गये। इसी तरह रीवा शहरी क्षेत्र के अर्बन पी.एच.सी., संजीवनी क्लीनिक जिले के सभी ब्लाकों में भी डेंगू से बचाव हेतु समस्त मलेरिया निरीक्षक, सी.एच.ओ., ए.एन.एम., आशा, सेक्टर सुपरवाईजर द्वारा अपने अपने क्षेत्र में डेंगू की रोकथाम हेतु डेंगू बीमारी के लक्षण, मच्छरों की उत्पत्ति स्थल, मच्छरों की पैदाइस रोकने के उपायो के बारे सभी एच.डब्ल्यू.सी. में बैठक लेकर लोगो को जानकारी दी गई। आशा कार्यकर्ताओं द्वारा राष्ट्रीय डेंगू दिवस में विशेष अभियान चलाकर अपने अपने गाँवो में लार्वा सर्वे, लार्वा विनिष्टीकरण एवं नारे लेखन कार्य किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। जिला स्तरीय डेंगू जागरूकता कार्यशाला में दिवाकर प्रसाद मिश्रा, शिखा द्विवेदी, आशीष तिवारी, अखिलेश तिवारी, राजेश त्रिपाठी सहित कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में रीवा शहरी क्षेत्र की आशा कार्यकर्ताओ के साथ ही एम्बेड प्रोजेक्ट के वालेन्टियर्स उपस्थित रहें।

29 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने आज शुक्रवार को 29 राज्यों में आंधी-तूफान और बारिश का अलर्ट जारी किया है। इन राज्यों में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, हरियाणा, पंजाब भी शामिल हैं। मध्य प्रदेश के 21 जिलों में आंधी-बारिश की चेतावानी है। बाकी जिलों में हीट वेव के आसार है। बिहार में पटना समेत 24 जिलों में हीट वेव का यलो अलर्ट है। 14 जिलों में बारिश की संभावना है। राजस्थान के 6 जिलों में गुरुवार को अधिकतम तापमान 44.0 सेल्सियस पार पहुंच गया। श्रीगंगानगर में सीजन का सबसे ज्यादा तापमान दर्ज किया गया। राज्य के 11 जिलों में कल बारिश का अलर्ट है। बीकानेर-श्रीगंगानगर में लू की चेतावनी है। पश्चिम बंगाल के नादिया और जलपाईगुड़ी में बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत और 5 लोग झुलस गए। बारिश से बचने के लिए ये लोग पेड़ के नीचे खड़े थे, तभी बिजली गिरी। वहीं, झारखंड के चाईबासा में गुरुवार को बिजली की चपेट में आने से एक सीआरपीएफ जवान की मौत हो गई।

पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद बड़ा कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद केंद्र सरकार रक्षा बजट में 50,000 करोड़ रुपए बढ़ा सकती है। रक्षा मंत्रालय ने सरकार को फंड बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है, जिसे संसद के नवंबर-दिसंबर के दौरान शीतकालीन सत्र में मंजूरी मिल सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स में सरकारी सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। इसमें बताया गया है कि इस फंड से नए हथियार, गोला-बारूद और तकनीक खरीदी जाएंगी। साथ ही सेना की दूसरी जरूरतें, रिसर्च और डेवलमेंट पर भी खर्च किया जाएगा। बढ़ोतरी के बाद रक्षा मंत्रालय का ओवरऑल बजट 7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को पेश किए गए 2025-26 के बजट में सशस्त्र बलों के लिए रिकॉर्ड 6.81 लाख करोड़ रुपए का बजट दिया था।

तरनतारन में 85 किलो हेरोइन जब्त

अमृतसर (एजेंसी)। तरनतारन पुलिस ने 2025 की सबसे बड़ी नार्को तस्करी कार्रवाई में एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए 85 किलो हेरोइन जब्त की है। यह नेटवर्क पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के संरक्षण में चल रहा था और इसे यूके स्थित ड्रग हैंडलर लल्ली संचालित कर रहा था। भारत में स्थित इस नेटवर्क के मुख्य संचालक अमृतसर (ग्रामीण) के गांव भिट्टेवाड़ निवासी अमरजोत सिंह उर्फ ??जोता संधू को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार अमरजोत सीमा पार के तस्करों से ड्रग्स की खेप प्राप्त करता था और उन्हें पंजाब के विभिन्न हिस्सों में सप्लाई करता था। उसके आवास का इस्तेमाल इस नेटवर्क के लिए मुख्य ठिकाने के रूप में किया जा रहा था। पुलिस ने उसके ठिकाने से 85 किलो हेरोइन बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में करोड़ों रुपए कीमत बताई जा रही है। इस संबंध में संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है और आगे की जांच जारी है।

राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए मध्यप्रदेश हो रहा है तैयार-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश को खेलों के क्षेत्र में आगे लाने के लिए सरकार कटिबद्ध होकर प्रयासरत है। खेल और खिलाड़ियों के विकास में हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर्ष जताते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन कराने केंद्र सरकार और भारतीय ओलंपिक संघ को प्रस्ताव भेजा गया है। वर्ष-2028 में जनवरी से मार्च के दौरान राष्ट्रीय खेलों का आयोजन प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खेल विभाग के

अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे समय रहते राष्ट्रीय खेल आयोजन की सभी तैयारियों को अंजाम दें। राष्ट्रीय खेल का मध्यप्रदेश में आयोजन सरकार के लिए गौरव का विषय है। इसकी तैयारियों में कोई कमी न रहे। बैठक में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में जल पर्यटन को प्रोत्साहन किया जा रहा है। भोपाल आने वाले लोगों को यहां के छोटे और बड़े तालाब में जल क्रीड़ाओं का प्राकृतिक एवं वास्तविक आनंद प्रदान करने के लिए सभी जरूरी सुविधाएं और व्यवस्थाएं की जाएं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में आगामी 14 से 19 अक्टूबर 2025 के दौरान एशियन रोईंग चैम्पियनशिप का आयोजन होना है। यह आयोजन भोपाल के खानूगांव स्थित वॉटर स्पोर्ट्स ट्रेनिंग सेंटर में होगा।

विजय शाह केस-सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 19 मई को

भोपाल/दिल्ली (एजेंसी)। कर्नल सोफिया पर मंत्री विजय शाह के आपत्तिजनक बयान को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई 19 मई तक टल गई है। इधर, राजभवन के बाहर धरना दे रहे कांग्रेस विधायकों को पुलिस ने जबरन उठा दिया।

मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई 19 मई तक स्थगित कर दी है। शाह ने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें उन पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया गया था।

वहीं, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने ङ्क पर लिखा- पहले मध्यप्रदेश के एक मंत्री ने महिला सैनिकों पर अभद्र टिप्पणी की और अब उनके उपमुख्यमंत्री ने

सेना का घोर अपमान किया है। बीजेपी अपने इन नेताओं पर कार्रवाई करने की जगह उन्हें बचाने में पूरा जोर लगा रही है। वह ऐसा करके हमारी सेना और देशवासियों को क्या संदेश देना चाहती है?

उधर, मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों का प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को राज्यपाल से मिला।

गवर्नर-प्रेसिडेंट के लिए डेडलाइन पर कानूनी बहस

नई दिल्ली (एजेंसी)। लीगल एक्सपर्ट्स का कहना है कि सुप्रीम का मकसद बिलों को मंजूरी में होने वाली देरी रोकना था। कुछ ने कहा- संविधान में समय-सीमा तय करने का जिक्र नहीं है।

प्रेसिडेंट और गवर्नर के लिए डेडलाइन बनाने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कानून बहस शुरू हो गई है। पूर्व कानून मंत्री अश्विनी कुमार ने कहा- इससे सरकार और अदालतों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो सकती है, जिसे सुलझाना जरूरी है। उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट की बेंच इस पर स्पष्ट राय देगी।

संवैधानिक मामलों के एक्सपर्ट्स एडवोकेट सुमित गहलोत ने कहा- गृह मंत्रालय ने 2016 में राज्यपाल को तीन महीने में बिल पर फैसला देने का निर्देश दिया था। इसी आधार पर 8 अप्रैल को समय-सीमा तय की। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का फैसला कोई नई बात नहीं है।

गहलोत ने यह भी कहा- आर्टिकल 74 में कहा गया है कि राष्ट्रपति को मंत्रिपरिषद की सलाह पर ही चलना होता है, इसलिए उनकी स्वतंत्र भूमिका सीमित है। आर्टिकल 143 के तहत राष्ट्रपति सुप्रीम कोर्ट से किसी अहम कानूनी या तथ्यात्मक मसले पर राय ले सकते हैं।

काला हिरण शिकार केस में सैफ, नीलम, तब्बू, सोनाली की मुश्किलें बढ़ी

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान सरकार ने शुक्रवार को हाईकोर्ट में काले हिरण के शिकार मामले में लीव-टू-अपील पर सुनवाई हुई। इसमें एक्टर सैफ अली खान, एक्ट्रेस तब्बू, नीलम और सोनाली बेंद्रे को बरी किए जाने के फैसले को चुनौती दी है। जस्टिस मनोज कुमार गर्ग की अदालत ने मामले को अन्य संबंधित केसों के साथ सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है। एडवोकेट महिपाल विश्नोई के अनुसार, 1 अक्टूबर 1998 को जोधपुर के कांकाणी गांव में फिल्म हम साथ-साथ हैं की शूटिंग के दौरान काले हिरण का शिकार किया गया था। प्रकरण में ट्रायल कोर्ट ने 5 अप्रैल 2018 को अभिनेता सलमान खान को दोषी करार देते हुए पांच साल की सजा सुनाई थी। इस मामले में सह आरोपी फिल्म अभिनेता सैफ अली खान, अभिनेत्री

नीलम, तब्बू, सोनाली बेंद्रे और दुष्यंत सिंह को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया था। राज्य सरकार की अपील में ट्रांसफर पिटीशन की अनुमति और एक्टर सलमान खान की सजा से जुड़े मामले को भी शामिल किया जाएगा।

रक्षामंत्री बोले- ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं, यह सिर्फ ट्रेलर

अहमदाबाद (एजेंसी)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, ये तो बस ट्रेलर है, समय आएगा तो पूरी पिक्चर दुनिया को दिखाएंगे। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को पहली बार गुजरात के भुज एयरफोर्स स्टेशन पहुंचे थे।

जवानों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमने वर्तमान सीजफायर में हमने पाकिस्तान को बिहेवियर के आधार पर प्रोबेशन पर रखा है, बिहेवियर में गड़बड़ी आई तो सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा- ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत को पाकिस्तान ने स्वीकार कर लिया, एक कहावत मशहूर है- दिन में तारे दिखना। ब्रह्मोस ने पाकिस्तान को रात के अंधेरे में दिन का उजाला दिखा दिया।

इससे पहले गुरुवार को राजनाथ जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर एयरबेस पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने जवानों से मुलाकात की और उनका आभार व्यक्त किया था।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- आपका अभिनंदन करने आया हूं।

पीएम मोदी ने शाह-जयशंकर के साथ मीटिंग की

नई दिल्ली/श्रीनगर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर एक बैठक हुई। इसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी मौजूद थे। मीटिंग में किस पर चर्चा हुई, इसकी जानकारी नहीं मिली है।

कश्मीर के बडगाम में आतंकियों के तीन मददगारों को गिरफ्तार किया गया है। ये तीनों लश्कर-ए-तैयबा के लिए काम करते थे। ये लोग इलाके में टेरर एक्टिविटीज में शामिल थे और युवाओं को

आतंकवाद की तरफ मोड़ते थे। इससे पहले, जम्मू-कश्मीर में पिछले तीन दिनों में हुए दो एनकाउंटर में छह आतंकवादी ढेर किए गए। सेना-पुलिस ने शुक्रवार को जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन जारी है। त्राल और शोपियां में 2 एनकाउंटर में आतंकी मारे गए।

सरकार ने तुर्किये की कंपनी की सुरक्षा मंजूरी कैंसिल की

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद 'बायकॉट तुर्किये' की मांग के बीच भारत सरकार ने सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सुरक्षा मंजूरी तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी है। ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी के आदेश के मुताबिक यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। तुर्किये की यह कंपनी अब भारतीय एयरपोर्ट पर ग्राउंड हैंडलिंग के काम नहीं कर पाएगी। सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया, तुर्किये की सेलेबी ग्रुप का हिस्सा है। यह मुंबई, दिल्ली, कोच्चि, कन्नूर, बेंगलुरु, हैदराबाद, गोवा, अहमदाबाद व चेन्नई जैसे 9 प्रमुख भारतीय हवाई अड्डों पर सेवाएं देती थी। इधर, अडाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने चीनी कंपनी ड्रैगनपास के साथ करार समाप्त कर दिया है। इस प्लेटफॉर्म पर एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस सेवाएं दी जाती थीं। कंपनी के प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि ड्रैगनपास के ग्राहकों को अब अडाणी की ओर से प्रबंधित एयरपोर्ट पर लाउंज तक पहुंच नहीं मिलेगी।

विक्रमादित्य बोले-ट्रंप के एप्पल वाले बयान पर सब खामोश

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल के पीडब्ल्यूडी मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कंगना रनोट के सोशल मीडिया पर दिए बयान के बहाने मोदी सरकार और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को को निशाने पर लिया है। विक्रमादित्य ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, ट्रंप सीधे सीधे एप्पल के सीईओ टिम कुक को धमका रहे हैं कि भारत में एप्पल की प्रोडक्शन नहीं होनी चाहिए। उन्होंने लिखा, इस पर कोई कुछ नहीं बोल रहा। विक्रमादित्य आगे लिखा, हमारी बड़ी बहन (कंगना) ने कुछ बोलने की कोशिश की। मगर उन्हें भी चुप करवा दिया गया। इस विषय पर वह उनके (कंगना) साथ खड़े हैं। हम तो उनके (कंगना) परम मित्र हैं। आखिर में विक्रमादित्य जय श्री राम लिखते हैं।

विक्रमादित्य के इस पोस्ट की खूब चर्चा हो रही है, क्योंकि बीते कल कंगना ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अल्फा पुरुष (अधिक प्रभावशाली) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सब अल्फा पुरुषों का बाप बताया।

केंद्रीय मंत्री गोयल से मिले हिमाचल के बागवान

शिमला (एजेंसी)। तुर्की के सेब आयात पर प्रतिबंध की मांग को लेकर हिमालयन एप्पल ग्रोअर्स सोसायटी का प्रतिनिधिमंडल दिल्ली में आज केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से मिला। इन्होंने तुर्की से तेजी से बढ़ते सेब आयात पर चिंता व्यक्त की और इस पर तत्काल पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की। सोसायटी के पदाधिकारियों ने केंद्रीय मंत्री को ज्ञापन सौंपा और बताया कि सस्ते और सब्सिडी वाले आयात के कारण देश के बागवानों को घाटा हो रहा है। इससे देश के बागवान लागत मूल्य भी नहीं निकाल पा रहे। प्रदेश के बागवानों ने यह भी बताया कि तुर्की एक ऐसा देश है जो भारत में आतंकवाद फैलाने वाले देश पाकिस्तान को सैन्य सहायता और रक्षा उपकरण प्रदान करता है।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले केंद्रीय राज्य मंत्री बिट्टू, भारत-पाक युद्ध में जीत की दी बधाई

जालंधर (एजेंसी)। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दिल्ली स्थित उनके आवास पर मुलाकात की और उन्हें भारत-पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध में जीत की बधाई दी। इस बारे में खुद केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने तस्वीरें शेयर की हैं और कहा- श्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मिलकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। पाकिस्तान पर

हमारी जीत के लिए बधाई देता हूं। केंद्रीय मंत्री बिट्टू ने प्रधानमंत्री को तोहफे में दो किताबें भी दीं। पाकिस्तान पर भारत की हालिया जीत पर अपनी खुशी साझा की और कठिन परिस्थितियों को शालीनता और दृढ़ संकल्प के साथ संभालने में उनके अनुकरणीय नेतृत्व की प्रशंसा की। पंजाब के विकास के लिए प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की। बिट्टू ने कहा- पंजाब के विकास और तरक्की के लिए प्रधानमंत्री से कई मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

महबूबा ने तुलबुल प्रोजेक्ट को गैरजिम्मेदाराना और उकसाने वाला बताया

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने 15 मई को तुलबुल बैराज का वीडियो अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किया था।

महबूबा मुफ्ती ने तुलबुल प्रोजेक्ट को गैरजिम्मेदाराना और उकसाने वाला बताया है। पूर्व सीएम ने अपने ङ्क अकाउंट पर लिखा- जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चल रहा है, ऐसे में प्रोजेक्ट को शुरू करना दुर्भाग्यपूर्ण है। महबूबा ने ये भी लिखा कि दोनों देश हाल ही में युद्ध से पीछे हटे हैं। जम्मू-कश्मीर में कई निर्दोष लोगों की जान गईं। अब लोग शांति चाहते हैं। पानी जैसी आवश्यक और जीवनदायी

चीज को हथियार बनाना न केवल अमानवीय है, बल्कि इससे उस मामले के अंतर्राष्ट्रीयकरण का भी खतरा है, जिसे द्विपक्षीय मसला ही बने रहना चाहिए। इस पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि आप सिर्फ लोकप्रियता हासिल करना चाहती हैं। सीमा पार बैठे कुछ लोग यह मानने से इनकार करते हैं कि सिंधु जल समझौता जम्मू-कश्मीर के लोगों के हितों के साथ सबसे बड़ा ऐतिहासिक विश्वासघात है। मैं हमेशा से इसके खिलाफ रहा हूं। आगे भी इसके खिलाफ रहूंगा। उमर ने ये भी कहा- यह (तुलबुल परियोजना) उस ऐतिहासिक अन्याय को सुधारने के बारे में है, जिसने जम्मू-कश्मीर के लोगों को अपने पानी का उपयोग करने के अधिकार से वंचित कर दिया।

ऑपरेशन सिंदूर पर दुनिया को ब्रीफ करेंगे भारतीय सांसद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर पर भारत के सांसद दुनिया को ब्रीफ करेंगे। केंद्र सरकार सभी दलों के चुनिंदा सांसदों को 22 या 23 मई से 10 दिनों के लिए विदेश दौरे पर भेज रही है। ये सांसद अमेरिका, यूके, दक्षिण अफ्रीका, कतर और यूएई जाएंगे। वहां की सरकार को आतंकवाद पर भारत का पक्ष बताएंगे।

विदेश दौरे पर जाने वाले सांसदों की संख्या का अभी पता नहीं चला है। हालांकि, कुछ नेताओं ने बताया है कि सांसदों की संख्या 30 से ज्यादा हो सकती है। इनमें भाजपा, कांग्रेस, टीएमसी, जदयू, डीएमके, एनसीपी बीजद, सीपीआई (एम) के सांसदों के शामिल होने की संभावना है।

भाजपा की तरफ से पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और सांसद अपराजिता सारंगी डेलिगेशन का हिस्सा होंगी। कांग्रेस से शशि थरूर, मनीष

तिवारी, सलमान खुर्शीद और अमर सिंह शामिल होंगे। एनसीपी की सुप्रिया सुले और चीफ असदुद्दीन ओवैसी का नाम भी सामने आया है।

विदेश मंत्रालय ने सांसदों को विदेश यात्रा के लिए तैयार रहने को कहा विदेश मंत्रालय सांसदों को डिप्लोमेटिक मिशन के लिए रवाना होने से पहले जानकारी देगा। एक पार्टी के नेता ने अपना नाम उजागर न करते हुए पीटीआई को बताया कि उन्हें 22-23 मई तक 10 दिनों के लिए रवाना होने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। विदेश मंत्रालय यात्रा से जुड़े डिटेल्स शेयर करने के लिए उनसे संपर्क करेगा।

वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों की तरफ से बताया जा रहा है कि डेलिगेशन में 5-6 सांसदों के 8 ग्रुप्स होंगे। सांसदों के साथ विदेश मंत्रालय का एक अधिकारी और एक सरकारी प्रतिनिधि भी जाएंगे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू सांसदों का विदेश दौरा कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। सांसदों को निमंत्रण भेजा जा चुका है। उन्हें अपना पासपोर्ट और ट्रैवल से जुड़ी जरूरी डॉक्यूमेंट्स तैयार रखने को सलाह दी गई है।

सरकार ने 8 मई को सभी दलों की बैठक बुलाई थी केंद्र सरकार ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक की थी। अगले दिन संसद में ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने के लिए सभी दलों की बैठक बुलाई गई थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता की थी।

अब कोलकाता में ही होगा आईपीएल 2025 फाइनल!

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक हफ्ता स्थगित रहने के बाद अब फिर से आईपीएल 2025 17 मई से शुरू हो रहा है। वहीं 25 मई को कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेला जाना था इससे पहले 23 मई को यहां क्वालिफायर 2 भी होना था लेकिन अब बीसीसीसआई के नए शेड्यूल का ऐलान किया है।

हालांकि, इसमें प्लेऑफ के किसी भी मैच के वेन्यू की जानकारी नहीं दी गई है। वहीं खबर है कि 3 जून को कोलकाता में बारिश की संभावना है। इसलिए फाइनल किसी अन्य वेन्यू पर शिफ्ट किया जा सकता है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई की । इस दौरान पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को नुकसान पहुंचाया। इसके बाद दोनों के बीच तनाव की स्थिति बन गई। 7 मई को कोलकाता में केकेआर बनाम सीएसके मैच खेला गया जो आईपीएल स्थगित होने से पहले आखिरी मैच साबित हुआ। इसके बाद 8 मई को पंजाब दिल्ली मैच बीच में ही रोकना पड़ा जो अब एक बार फिर से खेला जाएगा।

आईपीएल प्लेऑफ का नया शेड्यूल

बीसीसीआई के नए शेड्यूल का ऐलान हो चुका है इसमें प्लेऑफ के मैचों की तारीख भी शामिल हैं। अब प्लेऑफ का पहला मैच 29 मई को खेला जाएगा। इसके बाद एलिमिनेटर मैच 30 मई को होगा, दूसरा क्वालीफायर मैच 1 जून और फाइनल 3 जून को होगा। हालांकि, बीसीसीआई ने लीग स्टेज को लिए 6 स्टेडियम को चुना है लेकिन अभी तक प्लेऑफ के मैचों का वेन्यू फाइनल नहीं हुआ है।

वहीं बीसीसीआई का कहना है कि प्लेऑफ के वेन्यू को लेकर फैसला किया जाएगा। जिसके बाद कहा जा रहा है कि फाइनल और क्वालीफायर 2 की मेजबानी ईडन गार्डन्स से छिन सकती है। इसके बीच कारण 3 जून और इसके आसपास के दिनों में बारिश की संभावना को बताया गया।

प्लेऑफ में बटलर की जगह मेंडिस गुजरात टाइटंस की ओर से खेलेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के बचे हुए सत्र में गुजरात टाइटंस की टीम को आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर के बिना ही खेलना होगा। बटलर ने इस सत्र में अब तक टीम की और से करीब 500 रन बनाये हैं और ऐसे में उनका प्लेऑफ के लिए नहीं होना टीम के लिए बड़ा झटका होगा। उनके नहीं होने से टीम को एक शीर्ष स्तर के विकेटकीपर के बिना ही खेलना होगा। अब श्रीलंका के विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस उनकी जगह लेंगे। मेंडिस को सीधे ही अंतिम 11 में जगह मिलना तय है, क्योंकि गुजरात के पास अन्य विकेटकीपर नहीं हैं। टीम के पास अन्य विकेटकीपर के तौर पर अनकैप्ड अनुज रावत ही हैं। आईपीएल 2025 के 17 मैच 17 मई से 3 जून के बीच खेला जाएगा। इस बीच इंग्लैंड को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज खेलनी है। जोस बटलर को दोनों सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम में चुना गया है। यही कारण है कि वह आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में नहीं खेल पाएंगे। गुजरात टाइटंस 11 मैचों में 16 अंकों के साथ मौजूदा अंक तालिका में टॉप पर है और क्वालिफिकेशन हासिल करने से एक जीत दूर है।

इस कारण विराट ने लिया होगा संन्यास-नासिर हुसैन

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनका प्रदर्शन हमेशा शीर्ष स्तर का रहा है। इसलिए जब उन्हें लगा कि अब वह सौ फीसदी नहीं दे सकते तो उन्होंने खेल को अलविदा कह दिया। हुसैन के अनुसार किसी भी सामान्य चीज से संतुष्ट न होने की भावना ने ही शायद उन्हें संन्यास के लिये प्रेरित किया होगा। हुसैन ने कहा, 'वह चैम्पियन है। वह जीत का लक्ष्य लेकर ही खेलता है और उसके लिए बेचैन रहता है। कोहली के लिए सब कुछ जीतने के बारे में ही है। इसलिए तो लक्ष्य का पीछा करने में वह माहिर है। अगर वह 100 फीसदी नहीं दे सकता होगा तो मैदान पर नहीं उतरेगा। वह हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने ही उतरता है।

हुसैन ने कहा, 'हो सकता है कि उसने संन्यास का फैसला भी इसलिए ही लिया हो। वह आम क्रिकेटर नहीं बनना चाहता। वह कुछ खास करना चाहता है। उसने भारत को वह ताकत बनाया जो वह आज है। उन्होंने कहा, 'मैं पिछले 14 साल से कोहली का बड़ा प्रशंसक रहा हूं। उसके आंकड़े स्वयं उनके बारे में कहते हैं पर वह आंकड़ों से बहुत आगे कुछ है। उसकी शख्सियत, स्वैग और जुनून है। हम भारतीय क्रिकेटप्रेमियों को जानते हैं और क्रिकेट उनके लिए बहुत मायने रखता है। उन्होंने कहा, 'क्रिकेट को लेकर इतना जुनून भारत में कोहली से ज्यादा किसी ने नहीं जगाया। वह अविश्वसनीय क्रिकेटर है। वह भारत को नंबर एक तक ले गया जहां टीम 42 महीने तक रही। उसने अपने आक्रामक अंदाज से उनके क्रिकेट खेलने का तरीका बदल दिया।

इस बार आरसीबी जीतेगी आईपीएल 2025 का खिताब-कैफ

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि इस बार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसीबी) की टीम आईपीएल खिताब जीतेगी। कैफ का मानना है कि इस बार आरसीबी का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। ऐसे में टीम के पास अपना पहला खिताब जीतने का सुनहरा अवसर है। आरसीबी के सभी खिलाड़ियों विशेषकर स्टार खिलाड़ी विराट कोहली का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है जिसका लाभ भी टीम को मिलेगा।

इस सत्र में शुरुआत से ही आरसीबी ने जीत का सिलसिला बनाये रखा है जिससे वह 16 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है और प्ले ऑफ में अपनी जगह पक्की करने से एक जीत दूर है। कोहली वर्तमान में 505 रनों के साथ इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की सूची में शामिल हैं। कैफ ने कहा कि, अगर हम एक टीम के तौर पर आरसीबी की बात करें तो वे बेहतरीन रहे हैं। मैं टीम शब्द पर जोर दे रहा हूं क्योंकि वे हमेशा से बल्लेबाजी से भारी रहे हैं।

इस बार कप्तान रजत पाटीदार ने अपने गेंदबाजों का इस्तेमाल बेहतरीन तरीके से किया है। इससे टीम 170-180 के स्कोर का भी बचाव करने में सफल रही है। कोहली ने वही करना जारी रखा है जो वह सबसे अच्छा करते हैं।

विराट कोहली को लेकर एबी डीविलियर्स का खुलासा, बोले- मैं शुरुआत में उसे पसंद नहीं करता था

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज एबी डीविलियर्स ने खुलासा किया कि उन्हें शुरू में विराट कोहली पंसद नहीं थे और आईपीएल में आरसीबी में मिलने के बाद ही वे उनके दोस्त बने। डी विलियर्स ने ये खुलासा विराट कोहली के टेस्ट रिटायरमेंट के बाद किया। कोहली ने 12 मई को अपने 14 साल लंबे टेस्ट करियर पर पूर्ण विराम लगाया। डी विलियर्स ने बताया कि वह कोहली को उनके कॉम्पिटेटिव रैवेये की वजह से पंद नहीं करते थे क्योंकि वह भी वैसे ही थे।

आईसीसी से एबी डीविलियर्स ने कहा कि, विराट मेरा क्रिकेट वाला भाई है। जब मैंने उसे जाना, तब मैं उसे धीरे-धीरे काफी पसंद करने लगा। उसके खिलाफ खेलना बहुत मुश्किल है। तो जब मैं उसे नहीं जानता था तब मैं उसे पसंद नहीं करता था, क्योंकि वह बहुत बेहतरीन व प्रतिस्पर्धी था। वह बिल्कुल मेरी ही तरह था। मैं भी फील्ड पर बहुत प्रतिस्पर्धी होता था। हमें जीतना बहुत पसंद है और हमें टीम के लिए अपना सब कुछ झोंक देना बेहद पसंद है।

उन्होंने कहा कि, अगर कोई हमें चैलेंज करता है, तो हमारा आक्रामक रवैया निकलकर सामने आता है। फिर मैंने विराट कोहली को आरसीबी में खेलते हुए जाना। हम फैमिली फ्रेंड्स बन गए। हम भाई की तरह बन गए। जब हम साथ खेलते थे, तो एक दूसरे को बहुत अच्छे से समझते थे। उसके साथ बिताए एक-एक पल को मैं इंजॉय करता हूं।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड ने इस कीवी दिग्गज को सौंपी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड की टीम अपने घर में भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। इससे पहले इंग्लैंड ने एक बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज को अहम जिम्मेदारी सौंपी है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को इस बारे में घोषणा की। इसके मुताबिक पूर्व कीवी दिग्गज टिम साउदी को भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के खत्म होने तक इंग्लैंड का विशेषज्ञ कौशल सलाहकार नियुक्त किया गया है। भारतीय टीम इंग्लैंड के दौरे की शुरुआत 20 जून से लीड्स में पहले टेस्ट के साथ होगी। ये दौरान 31 जुलाई से चार अगस्त तक ओवल में होने वाले पांचवें टेस्ट के साथ खत्म होगा।

दिसंबर 2024 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले साउदी इंग्लैंड के अंतर्राष्ट्रीय सत्र के शुरुआती मैच से पहले टीम से जुड़ेंगे। ये अगले गुरुवार से ट्रेंट ब्रिज में जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट होगा। साउदी ने 107 टेस्ट मैच में 391 विकेट, 161 वनडे मैच में 221 विकेट और 126 टी20 मैच में 164 विकेट हासिल किए हैं। ईसीबी ने एक बयान में कहा कि दुनिया भर में विभिन्न परिस्थितियों और सभी प्रारूपों में खेलने के अपने विशाल अनुभव के साथ वह खिलाड़ियों को अहम जानकारी प्रदान करेंगे। सलाहकार की भूमिका के बाद वह बर्मिंघम फीनिक्स के लिए द हंड्रेड में खेलना शुरू करेंगे।

बता दें कि, इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम युवाओं से भरी होगी। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली संन्यास ले चुके हैं। इसके अलावा रविचंद्रन अश्विन भी अब टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं हैं। ऐसे में भारतीय टीम के लिए इंग्लैंड दौरा किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होने वाला है। इन सबके बीच इंग्लैंड खेमे में टिम साउदी की गैरमौजूदगी निश्चित तौर पर भारत की परेशानी बढ़ाएगा।

न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर हेसन बने पाक टीम के कोच

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर माइक हेसन को अपनी सीमित ओवरों की टीम का नया कोच बनाया है। पीसीबी ने कहा है की कि हेसन पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) समाप्त होने के बाद 26 मई को टीम से जुड़ेंगे। इस वर्ष की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी में खराब प्रदर्शन से भी पीसीबी पर बेहतर कोच रखने का दबाव था। इस पद के लिए कुल सात उम्मीदवारों ने आवेदन प्रस्तुत किए थे, जिनमें चार विदेशी कोच शामिल थे। हेसन अभी पाकिस्तान सुपर लीग (पीएएल) के गत विजेता इस्लामाबाद यूनाइटेड के मुख्य कोच हैं। वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी कोच रहे हैं।

पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने कहा कि हेसन अपने साथ अंतरराष्ट्रीय अनुभव लेकर आए हैं और प्रतिस्पर्धी टीमों को बेहतर तरीके से विकसित करने का उनका एक अच्छा रिकॉर्ड है। नकवी ने कहा, हम पाकिस्तान के सफेद गेंद वाले क्रिकेट के भविष्य को आकार देने में उनकी विशेषज्ञता और नेतृत्व की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

हेसन 2023 के बाद से पाकिस्तान टीम के कोच बनने वाले पांचवें विदेशी हैं। उनसे पहले ग्रांट ब्रैडबर्न, मिकी आर्थर, साइमन हेलमेट, गैरी कर्स्टन और गिलेस्पी भी कोच रहे थे पर इन्हें बीच में ही कामकाज छोड़ना पड़ा था।अन्य लोगों ने इस बात के संकेत देते हुए इस्तीफा दे दिया कि वे पीसीबी की कार्यप्रणाली और उनके साथ संबंधों से खुश नहीं थे। पीसीबी ने पुरुष टीम के साथ अपनी सहायक टीम में लगातार बदलाव किए हैं, जिसमें मुख्य कोच का अहम पद भी शामिल है।

आईपीएल 2025 की शुरुआत से पहले पृथ्वी शॉ के पोस्ट से बवाल, किस ओर किया इशारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 फिर से शुरू होने वाला है। इससे पहले भारतीय बल्लेबाज पृथ्वी शॉ की एक पोस्ट ने हलचल मचाई है। शॉ ने ये पोस्ट इंस्टाग्राम पर लिखी है। उनकी बातों से उनके भविष्य को लेकर भी सवाल उठने लगा है। 24 साल के पृथ्वी शॉ ने दिसंबर 2024 में अंतिम बार कॉम्पटीटिव क्रिकेट खेला था। पृथ्वी शॉ सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हिस्सा लिया था। गौरतलब है कि पिछले दिनों पृथ्वी शॉ लगातार सुर्खियों में रहे। शॉ को कभी भारतीय क्रिकेट का अगला सुपरस्टार माना गया था। लेकिन खराब अप्रोच और खराब फिटनेस के चलते वह लगातार नीचे फिसलते चले गए।

पृथ्वी शॉ ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा है कि, मुझे ब्रेक चाहिए। उनकी इस पोस्ट ने फैंस और पूर्व क्रिकेटरों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। लोग अनुमान लगा रहे हैं कि पृथ्वी शॉ कुछ बदलाव करने वाले हैं?

बता दें कि, कुछ समय पहले पृथ्वी शॉ को मुंबई की घरेलू टीम से बाहर निकाल दिया गया था। इसके बाद आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन वह अनसोल्ड रह गए थे। जबकि दिल्ली कैपिटल्स के लिए शॉ ने 79 मैचों में 1892 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 147.46 रहा है।

कभी मुंबई में शॉ के साथी रहे शशांक सिंह ने एक पॉडकास्ट में उनके बारे में बात की थी। शशांक ने कहा था कि पृथ्वी को कम आंका गया है। अगर वह फिर से अपने बेसिक्स पर काम करने लगे तो कुछ भी हासिल कर सकता है। उन्होंने आगे कहा था कि उसे 11 के बजाए 10 बजे सोना चाहिए और अपनी डाइट बेहतर करनी चाहिए। अगर अपनी कुछ चीजों में बदलाव कर लेता है तो संभवतः भारतीय क्रिकेट की सबसे बेहतरीन चीजों में से एक होगा।

डायमंड लीग के दोहा चरण से अभियान का आगाज करेंगे नीरज चोपड़ा,जेना भी आएंगे नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा शुक्रवार को अपने डायमंड लीग अभियान का आगाज करेंगे। उनकी नजरें इस साल के आखिर में होने वाली वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में खिताब बरकरार रखने पर लगी होंगी। भारतीयों के बड़ी तादाद में होने से नीरज को यहां काफी समर्थन मिलेगा। नीरज का सामना इस बार एंडरसन पीटर्स, चेक गणराज्य के याकूब वाडलेश, जर्मनी के जूलियन वेबर और मैक्स डेहनिंग, कीनिया के जूलियस येगो और जापान के रॉडरिक जेंकी डीन से होगा। ये सभी बड़ी स्पर्धाओं में नीरज के प्रतिद्वंद्वी रह चुके हैं। पेरिस ओलंपिक 2024 के गोल्ड पदक विजेता पाकिस्तान के अरशद नदीम इसमें भाग नहीं ले रहे हैं। एशियाई खेलों के सिल्वर विजेता भारत के ही

किशोर जेना भी 11 प्रतियोगिताओं में से हैं। जेना का सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 87.54 मीटर है जो पिछली बार यहां 76.31 मीटर का थ्रो लगाकर नौवे स्थान पर रहे थे। वाडलेश ने यहां 88.38 मीटर के थ्रो के साथ खिताब जीता था जबकि चोपड़ा दो सेंटीमीटर पीछे रहे थे। पीटर्स 86.62 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर थे।

टोक्यो ओलंपिक में गोल्ड और पेरिस में सिल्वर मेडल जीतने वाले चोपड़ा ने सबसे पहले 2018 में यहां डायमंड लीग में भाग लिया था और चौथे स्थान पर रहे थे। उन्होंने 2023 में यहां खिताब जीता और 2024 में दूसरे स्थान पर रहे। विश्व रिकॉर्डधारी कई बार के ओलंपिक चैंपियन चेक गणराज्य के जान जेलेज्नी से कोचिंग ले रहे चोपड़ा ने कहा कि, कतर में भारतीयों से मिलने वाले समर्थन से मैं हमेशा अभिभूत रहता हूं। मेरे पास उनका धन्यवाद करने के लिए शब्द नहीं हैं।

2006 में गोविंदगढ़ के तालाब में समाया गई थी बस

60 लोगों की मौत मामले में बस संचालक बरी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में 19 साल पहले बस हादसे में हुई 60 लोगों की मौत के मामले में शुक्रवार को जिला एवं सत्र न्यायालय में सुनवाई हुई। जहां अदालत ने बस के मालिक को सबूतों के आभाव में बरी कर दिया। पूरे मामले में पुलिस ने जिस व्यक्ति को 60 लोगों की मौत का जिम्मेदार ठहराया था। उसे जिला न्यायालय की अदालत ने साक्ष्यों के आभाव में दोषमुक्त करार दिया है।

भीषण सड़क दुर्घटना आज से 19 साल पहले 2006 में हुई थी। जहां रीवा के ऐतिहासिक गोविंदगढ़ तालाब में यात्रियों से भरी बस के गिरने से 60 यात्रियों की दर्दनाक मौत हो गई थी। मामले की पैरवी कर रहे राजीव सिंह शेरा ने बताया कि 19 साल पहले यात्रियों से भरी बस सवारी लेकर जिगना से रीवा की तरफ आ रही थी। तभी चालक की लापरवाही से बस तालाब में जा समाई। अचानक हुए इस हादसे से 60 लोग डूब गए और डूबने से उनकी मौत हो गई। जिसकी जांच में पुलिस ने बिना परमिट,बिना बीमा पॉलिसी और बिना आरटीओ के बस को सड़क में दौड़ना बताया। इस मामले में गोविंदगढ़ थाने में बस मालिक अजय प्रताप सिंह के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। लेकिन अभियोजन की तरफ से यह साबित नहीं किया जा सका कि बस का फिटनेस और परमिट था या नहीं। ऐसे में न्यायालय ने मालिक को बरी कर दिया।

अधिवक्ता राजीव सिंह शेरा ने बताया कि मामले में गोविंदगढ़ थाने में में 213/2006 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया था। 279,337,336,30(ए) आईपीसी के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया था। चालक की भी दुर्घटना के दौरान मौत हो गई थी। जिसकी वजह से मामले में एक ही आरोपी अजय प्रताप सिंह को बनाया गया था।

बिना लाइसेंस बेच रहा था पुराने हॉलमार्क वाले गहने

सतना में बीआईएस छापेमारी में संस्कार ज्वेलर्स से 25 आभूषण और 4 बिल बुक जब्त

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की भोपाल शाखा की टीम ने शुक्रवार को सतना शहर के राजेन्द्र नगर स्थित संस्कार ज्वेलर्स पर छापामार कार्रवाई की। जांच के दौरान दुकान से 25 ज्वेलरी आर्टिकल्स और 4 बिल बुक्स जब्त किए गए। दुकान में 2021 में प्रतिबंधित किए गए पुराने हॉलमार्क वाले गहने बेचे जा रहे थे, जबकि दुकानदार के पास बीआईएस से अधिकृत हॉलमार्किंग लाइसेंस भी नहीं था।

बीआईएस के डिप्टी डायरेक्टर हरिओम मीणा ने बताया कि टीम ने निरीक्षण के दौरान पाया कि एचयूआईडी कोड के बिना पुराने हॉलमार्क वाले गहने ग्राहकों को बेचे जा रहे थे। यह प्रथा 2021 से पूरी तरह प्रतिबंधित है और इसका उल्लंघन ग्राहक संरक्षण कानूनों के तहत दंडनीय अपराध है।

हरिओम मीणा ने आगे बताया कि यह मामला अब न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीआईएस ऐसे मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहा है। शहर के अन्य ज्वैलर्स भी रडार पर हैं, जो पुरानी हॉलमार्किंग या फर्जी दस्तावेजों के जरिए ग्राहकों को गुमराह कर रहे हैं।

क्या है हॉलमार्क और एचयूआईडी? हॉलमार्किंग से यह सुनिश्चित किया जाता है कि कोई भी सोने या चांदी की ज्वेलरी मानक गुणवत्ता की है। 2021 के बाद बीआईएस ने एचयूआईडी अनिवार्य किया है, जिसमें हर गहने पर एक यूनिक कोड अंकित होता है। इससे फर्जीवाड़े और ग्राहकों से धोखाधड़ी को रोका जा सकता है।

बीआईएस ने ग्राहकों से अपील की है कि वे ज्वेलरी खरीदते समय एचयूआईडी कोड जरूर जांचें और केवल लाइसेंस प्राप्त विक्रेताओं से ही गहने खरीदें। किसी भी संदेहजनक स्थिति में बीआईएस की हेल्पलाइन पर शिकायत की जा सकती है।

ऑटो ने मारी टक्कर, बच्ची का सिर धड़ से अलग

पिता की उंगली पकड़कर रोड क्रॉस कर रही थी, ड्राइवर फरार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में तेज रफ्तार ऑटोरिक्शा ने 9 साल की बच्ची को कुचल दिया। हादसे में उसका सिर धड़ से अलग हो गया।

एक्सीडेंट शुक्रवार शाम चोरहटा थाना क्षेत्र में नहर के पास हुआ। पुलिस के अनुसार, मीनाक्षी अपने पिता रामलाल बंसल के साथ रोड क्रॉस कर रही थी, तभी ऑटो ने पीछे से टक्कर मार दी।

हादसे के बाद ऑटो ड्राइवर मौके से भाग निकला। मीनाक्षी के पिता रामलाल बंसल ने पुलिस को सूचना दी। चोरहटा थाने का स्टाफ मौके पर पहुंचा। बच्ची का शव संजय गांधी अस्पताल भिजवाया गया, जहां पोस्टमॉर्टम के बाद उसे परिजन को सौंप दिया गया।

पुलिस ने अज्ञात ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। उसकी पहचान के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाली जा रही है।

संजय गांधी अस्पताल के सीएमओ डॉ. अलख प्रकाश ने कहा- बच्ची को मृत अवस्था में लाया गया था। उसका सिर पूरी तरह धड़ से अलग हो चुका था। मीनाक्षी गांव के शासकीय स्कूल में चौथी क्लास में पढ़ती थी। पिता रामलाल बंसल पेशे से मजदूर और मां हाउस वाइफ हैं। तीन साल का छोटा भाई वेद है।

युवक ने बदला लेने भीड़ पर बाइक चढ़ाई, महिला की मौत, दो लोग गंभीर रूप से घायल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में एक युवक ने बदला लेने के लिए भीड़ पर बाइक चढ़ा दी। एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। दो गंभीर घायल हैं। वारदात के बाद आरोपी बाइक से नियंत्रण खो बैठा और डिवाइडर से टकराकर गिर गया। उसे भी गंभीर चोटें आई हैं।

घटना रायपुर कर्चुलियान के पहाड़िया गांव की है। इलाके में तनाव के हालात बनते देख डीएसपी हिमाली पाठक के साथ भारी पुलिस बल तैनात किया गया। सभी घायलों को संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पहाड़िया गांव में 17 मई को पाल परिवार के घर शादी समारोह होना था। 14 मई तक तिलक कार्यक्रम था। इस दिन चोरी की आशंका को लेकर पाल परिवार ने गांव के ही कुछ लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। इसी रंजिश को लेकर गुरुवार देर रात आरोपियों ने पाल परिवार पर हमला कर दिया।

जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने पहले अनूप कुमार पाल के सिर पर पत्थर से वार किया। जब परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे तो आरोपी अजय पाल ने तेज रफ्तार बाइक भीड़ पर चढ़ा दी। इसमें श्यामकली पाल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी नातिन रचना और पास खड़ी सुनीता गंभीर रूप से घायल हो गईं।

मृतक श्यामकली के बेटे आलोक कुमार पाल ने बताया, मेरे चाचा के लड़के भैयालाल का एक दिन पहले तिलक था। सभी कार्यक्रम में व्यस्त थे। तभी सूचना मिली कि घर में कुछ चोर घुसे हुए हैं। हम दौड़कर गए तो हीरालाल पाल, उमेश पाल, अजय पाल, भूरा पाल भागते नजर आए। हमने उनका पीछा किया तो सभी ने मिलकर मुझे पीटा। मारपीट की एफआईआर हमने थाने में कराई तो अगले दिन फिर मारपीट की। आरोपियों ने मां और अन्य पर बाइक चढ़ा दी।

अस्पताल के सीएमओ अलख प्रकाश पांडेय ने बताया कि घायलों का इलाज जारी है। उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। डॉक्टरों की निगरानी में लगातार उपचार किया जा रहा है।

फर्जी फोन-पे से दुकानदारों को ठगने वाले आरोपी को पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में प्रैंक फोन पे ऐप से दुकानदारों के साथ हजारों रुपए की ठगी की, पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है। पुलिस को उसने फोन पे पर दुकानदारों को ठगने का तरीका बताया। आरोपी रवि किरण पटेल ने इंस्टाग्राम से इस एप के बारे में सीखा और इसका इस्तेमाल कर दुकानदारों को ठगा।

आरोपी फर्जी पेमेंट स्क्रीन दिखाकर दुकानदारों से नकद पैसे ले लेता था। जब दुकानदार अपने खाते में पेमेंट चेक करते, तो उन्हें कोई लेन-देन नहीं मिलता।

सबसे पहले उसने पतेरी क्षेत्र के क्रिस्तुकुला रोड स्थित एक एमपी ऑनलाइन सेंटर के संचालक को अपना शिकार बनाया। सिविल लाइन थाने में तीन अलग-अलग दुकानदारों ने शिकायत दर्ज कराई। इनमें क्रिस्तुकुला रोड पतेरी, विट्स कॉलेज रोड करही और सोहावल के ऑनलाइन शॉप संचालक शामिल हैं।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी की पहचान की और उसे धवारी से गिरफ्तार कर लिया।

थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह परिहार के ने बताया कि यह एक चुनौतीपूर्ण मामला था। आरोपी ने अब तक 25 हजार रुपए की ठगी करना स्वीकार किया है। रवि किरण नरसिंहपुर के रामपुर बाघेलान का रहने वाला है।

आरोपी ने इंस्टाग्राम आईडी के जरिए प्रैंक फोन पे ऐप बनाना सीखा था। इसके बाद ही लोगों से धोखाधड़ी करते हुए अपनी कमाई कर रहा था। पुलिस अब उससे पूछताछ कर रही है तथा धोखाधड़ी के शिकार अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

माना जा रहा है कि युवक ने लाखों रुपए की धोखाधड़ी कर दुकानदारों को ठगा है। फिलहाल पुलिस आरोपी को लेकर अदालत पहुंची और कोर्ट के आदेश के बाद उसे जेल भेजने की कार्रवाई की है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में पीएचई कर रहा नलजल योजनाओं में सुधार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पीएचई विभाग द्वारा नलजल योजनाओं के सुधार का अभियान चलाया जा रहा है। नलजल योजनाओं की पाइपलाइन की जांच कर उनके लीकेज दूर किए जा रहे हैं। इस संबंध में कार्यपालन यंत्री संजय पाण्डेय ने बताया कि पीएचई विभाग के इंजीनियर, ग्राम पंचायत के सचिव तथा अन्य कर्मचारियों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों का लगातार भ्रमण कर रहे हैं। विभागीय अमले तथा संविदाकारों की मदद से नलजल योजनाओं के लीकेज को ठीक करने का कार्य किया जा रहा है। गत दिवस ग्राम लक्ष्मणपुर की नलजल योजना का निरीक्षण किया गया। संविदाकार द्वारा नजलल योजना में सुधार कार्य किया जा रहा है। इस दो दिवस में चालू कर दिया जाएगा। भानपुर नलजल योजना से पानी की आपूर्ति के लिए संविदाकार को डायरेक्ट पंपिंग करके पानी की आपूर्ति के निर्देश दिए गए। गत दिवस ग्राम रौसर में नलजल योजना का निरीक्षण करके ऊषा शर्मा के घर के पास पाइपलाइन के लीकेज में सुधार कराया गया। इसी तरह ग्राम सिलपरी, जवा विकासखण्ड की ग्राम पंचायत बरहुला, रीवा विकासखण्ड की करहिया ग्राम पंचायत के नलजल योजनाओं का निरीक्षण किया गया। इनमें विभागीय अमले से पाइपलाइन में सुधार कराकर पानी की आपूर्ति शुरू कराई गई।

कलेक्टर को भेंट किया गया सेना के पराक्रम से जुड़े डाक टिकट का सेट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारतीय डाक विभाग की ओर से भारतीय सेना के पराक्रम से जुड़े कई डाक टिकट जारी किए गए हैं। कलेक्टर प्रतिभा पाल को कलेक्टर कार्यालय में डाक टिकटों का सेट तथा पवित्र गंगाजल भेंट किया गया। इस संबंध में अधीक्षक मुख्य डाकघर ने बताया कि डाक विभाग द्वारा भारतीय सेना के पराक्रम से जुड़े विभिन्न मूल्य वर्गों के डाक टिकट समय-समय पर जारी किए गए हैं। इसके साथ-साथ महत्वपूर्ण योजनाओं से जुड़े डाक टिकट भी जारी किए गए हैं। आमजनता डाकतार विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ ले सकती है। डाक विभाग द्वारा जीवन बीमा, सुकन्या समृद्धि योजना तथा ग्राम सुरक्षा ग्राम सुमंगल योजना लागू की गई है। बच्चों के लिए भी कई आकर्षक बचत योजनाएं डाक विभाग में उपलब्ध हैं। डाक विभाग द्वारा बैंकिंग का भी सफलतापूर्वक कार्य किया जा रहा है।

मैहर के अमरपाटन में एटीएम चोरी की कोशिश नाकाम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर जिले के अमरपाटन में एचडीएफसी बैंक के एटीएम को लूटने की कोशिश का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने शुक्रवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी अभी फरार है।

एसपी सुधीर अग्रवाल ने बताया कि 12-13 मई की रात करीब 1.45 बजे तीन लोग एटीएम तोड़ने के औजारों के साथ बैंक में घुसे थे। पुलिस की गश्ती वाहन की आवाज सुनकर आरोपी भाग निकले। घटना के बाद एसपी के निर्देश पर सीएसपी राजीव पाठक, एसडीओपी अमरपाटन प्रतिभा शर्मा और थाना प्रभारी के नेतृत्व में तीन टीमें बनाई गईं। पुलिस ने खरमसेडा निवासी जितेंद्र पटेल (24) और राजेंद्र पटेल (24) को गिरफ्तार किया है।

मुख्य आरोपी रजनीश पटेल अभी फरार है। एटीएम से एक झोला बरामद हुआ है। इसमें कटर, हथौड़ी और पाना मिला है। बैंक मैनेजर की शिकायत पर अमरपाटन पुलिस ने धारा 331(4), 305(1), 62 के तहत मामला दर्ज किया है।

कलेक्टर ने बीएलओ को किया निलंबित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रतिभा पाल ने सिरमौर विधानसभा क्षेत्र मतदान केन्द्र क्रमांक 238 क्योटी के बीएलओ, सहायक शिक्षक रामाधार मिश्र को निलंबित करने के आदेश दिए हैं। मतदाता सूची में संशोधन के कार्य में फार्म 8 में मकान नम्बर संशोधन के लिए मिथ्या अनुशंसा करने पर एसडीएम सिरमौर के प्रतिवेदन के आधार पर निलंबन की कार्यवाही की गई है। निलंबन अवधि में मिश्र का मुख्यालय एसडीएम कार्यालय सिरमौर रहेगा। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान में लगातार किए जा रहे जल संरक्षण के कार्य

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा और मऊगंज जिले में 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य लगातार किए जा रहे हैं। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि जनपद पंचायत गंगेव में सहायक यंत्री ने ग्राम पंचायत पढुआ में लेआउट देकर अमृत सरोवर का निर्माण शुरू कराया।

जनपद पंचायत सिरमौर की ग्राम पंचायत पटेहरा में किसान रविशंकर शुक्ला द्वारा 1.48 लाख रुपए की लागत खेत तालाब का निर्माण कराया गया। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगर परिषद मऊगंज द्वारा जन अभियान परिषद के सहयोग से निहाई नदी में साफ-सफाई एवं गहरी करण का कार्य किया जा रहा है।

इसके साथ-साथ मऊगंज नगर परिषद द्वारा आमजनता के सहयोग से मऊ तालाब में साफ-सफाई का कार्य किया जा रहा है। अभियान के तहत जनपद पंचायत मऊगंज की ग्राम पंचायत सरई सेंगर में उपयंत्री अंकिता मिश्रा द्वारा खेत तालाब का निरीक्षण किया गया। मऊगंज जिले की जनपद पंचायत नईगढ़ी की ग्राम पंचायत बहेरा ननकार में भी तीन खेत तालाबों का निर्माण किया जा रहा है। इसी गांव में ट्यूबवेल और कुएं में रिचार्जपिट बनाने का कार्य किया जा रहा है। जनपद पंचायत त्योंथर की ग्राम पंचायत कोनीखुर्द में तीन ट्यूबवेल में रिचार्ज पिट का निर्माण पूरा हो गया है। अभियान के तहत ग्राम पंचायत उमरी में महिला स्वसहायता समूहों के सदस्यों ने रैली निकालकर जल संरक्षण के संदेश दिए।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।